▪ पौष कृष्णा - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 175 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 19-01-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

3 संविधान की रक्षा के संदेश के लिए है 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' समेलन का आयोजन

4 विद्यालयों में अनिवार्य हो सूर्य नमस्कार : मदन दिलावर

5 कोहली ने रणजी ट्रॉफी मैच से बाहर रहने का फैसला किया

'ग्राम स्वराज' को जमीन पर उतारने में लगी है सरकार : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड बांटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 10 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 230 से अधिक जिलों के 50,000 से अधिक गांवों के संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए और कहा कि उनकी सरकार 'ग्राम स्वराज' की अवधारणा को जमीन पर उतारने में गंभीरता से लगी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना देश में ग्रामीण क्षेत्र में ऐसी अचल सम्पत्तियों के दस्तावेजीकरण की चुनौतियों को पूरा कर रही है।

मोदी ने कार्यक्रम में जुड़े देश भर के लोगों को संबोधित करते हुए एक अनुमान का उल्लेख किया कि एक बार सभी गांवों में संपत्ति कार्ड जारी किए जाने के बाद, यह 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक गतिविधियों को खोल देगा। प्रधानमंत्री ने देश की अर्थव्यवस्था में जुड़ने वाली पर्याप्त पूंजी पर जोर दिया।

मोदी ने कहा, हमारी सरकार ग्राम स्वराज को जमीन पर लागू करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है, और इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वामित्व योजना ने ग्राम विकास योजना और निष्पादन में काफी सुधार किया है। मोदी ने इस कार्यक्रम को भारत के गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ऐतिहासिक बताया और इसके लाभार्थियों और नागरिकों को शुभकामनाएं दीं।

यह योजना पांच साल पहले ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनकी संपत्ति कार्ड मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए स्वामित्व योजना शुरू की गई थी। उन्होंने कहा, पिछले पांच वर्षों में 1.5 करोड़ से अधिक लोगों को स्वामित्व कार्ड जारी किए गए और आज के कार्यक्रम के साथ करीब 2.25 करोड़ लोगों को अब अपने घरों के लिए कानूनी दस्तावेज मिल चुके हैं।

विभिन्न राज्य संपत्ति स्वामित्व प्रमाण पत्र को विभिन्न नामों से संदर्भित करते हैं, जैसे घरौनी, अधिकार अभिलेख, संपत्ति कार्ड, मालमत्ता पत्रक और आवासीय भूमि पट्टा हैं। स्वामित्व योजना के लाभार्थियों के साथ अपनी पिछली बातचीत का जिक्र करते हुए, जिन्होंने बताया कि कैसे इस योजना ने उनके जीवन को बदल दिया है। उन्होंने इस बात पर ध्यान दिलाया कि कानूनी दस्तावेज प्राप्त करने के बाद, लाखों लोगों ने अपनी संपत्ति के आधार पर बैंकों से ऋण लिया, अपने गांवों में छोटे व्यवसाय शुरू किए।

पिछले दशकों में चीन के साथ भारत के संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा

भारत को चीन की बढ़ती क्षमताओं की 'अभिव्यक्ति' के लिए तैयार रहना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत-चीन संबंध 2020 के बाद की सीमा स्थिति से उत्पन्न जटिलताओं से खुद को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं और संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की जरूरत है।

पिछले दशकों में चीन के साथ भारत के संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए जयशंकर ने कहा कि पिछले नीति-निर्माताओं की ''गलत व्याख्या'', चाहे वह ''आदर्शवाद या व्यावहारिक राजनीति की अनुपस्थिति'' से प्रेरित हो, ने चीन के साथ न तो सहयोग और न ही प्रतिस्पर्धा में मदद की है।

मुंबई में नानी पालकीवाला व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इसमें स्पष्ट रूप से बदलाव आया है। विदेश मंत्री ने कहा कि आपसी विश्वास, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता दोनों पक्षों के बीच संबंधों का आधार बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की आवश्यकता है। जयशंकर ने कहा, ''ऐसे समय में जब भारत के अधिकतर देशों के साथ रिश्ते मजबूत हो रहे हैं, भारत को चीन के साथ संतुलन स्थापित करने में एक विशेष चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि दोनों देश उन्नति कर रहे हैं।''

विदेश मंत्री ने कहा कि निकटतम पड़ोसी और एक अरब से अधिक आबादी वाले दो समाजों के रूप में, भारत-चीन के बीच संबंध कभी भी आसान नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, ''लेकिन सीमा विवाद, इतिहास के कुछ बोझ और भिन्न सामाजिक-राजनीतिक प्रणालियों ने इसे और भी तीखा बना दिया। पिछले नीति-निर्माताओं द्वारा गलत व्याख्या, चाहे वह आदर्शवाद से प्रेरित हो या व्यावहारिक राजनीति की गैरमौजूदगी से, वास्तव में चीन के साथ न तो सहयोग और न ही प्रतिस्पर्धा में मदद मिली है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले दशक में इसमें स्पष्ट रूप से बदलाव आया है। अभी, संबंध 2020 के बाद की सीमा स्थिति से उत्पन्न जटिलताओं से खुद को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं।'' जयशंकर ने कहा कि भले ही इस पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की आवश्यकता है। जयशंकर ने कहा कि भारत को ''चीन की बढ़ती क्षमताओं की अभिव्यक्ति'' के लिए तैयार रहना होगा, खासकर उनके लिए जो सीधे भारत के हितों पर असर डालते हैं। जयशंकर ने तर्क दिया कि अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत की व्यापक राष्ट्रीय क्षमता का अधिक तेजी से विकास आवश्यक है।

पिछले साल 21 अक्टूबर को बनी सहमति के बाद, भारतीय और चीनी सेनाओं ने डेमचोक और देपसांग के दो शेष गतिरोध स्थलों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली।

फर्स्ट टेक

कश्मीरी पंडितों के 'नरसंहार' को लेकर ब्रिटिश संसद में प्रस्ताव पेश

लंदन/भाषा। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने ''भारत के जम्मू और कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार'' की 35वीं सालगिरह के अवसर पर संसद में एक प्रस्ताव पेश किया। कंजर्वेटिव सांसद ब्लैकमैन ने बृहस्पतिवार को संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में इस मुद्दे पर प्रस्ताव पेश किया, जो जनवरी 1990 से चला आ रहा है। ईडीएम में कहा गया है, ''यह सदन जनवरी 1990 में कश्मीर घाटी की अल्पसंख्यक हिंदू आबादी पर सीमा पार इस्लामी आतंकवादियों और उनके समर्थकों द्वारा किए गए समन्वित हमलों की 35वीं वर्षगांठ को गहरे दुख और निराशा के साथ याद करता है।'' प्रस्ताव में ब्रिटिश हिंदू नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई है, जिनके ''मित्र और परिवार के सदस्य इस सुनियोजित नरसंहार में मारे गए, बलात्कार के शिकार हुए, घायल हुए और जिन्हें बलपूर्वक विस्थापित किया गया।'' इसमें ''जम्मू-कश्मीर में पवित्र स्थलों के अपमान की निंदा की गई; न्याय मांगने के अधिकार सहित ब्रिटेन में हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा करने की प्रतिज्ञा ली गई''।

ईरान में गोली मारकर दो न्यायाधीशों की हत्या

दुबई/एपी। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार को एक व्यक्ति ने दो प्रमुख कट्टरपंथी न्यायाधीशों की गोली मारकर हत्या कर दी। सरकारी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली। देश में न्यायपालिका पर यह दुर्लभ हमला है। सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने बताया कि इस गोलीबारी में न्यायाधीश मौलवी मोहम्मद मोगीसेह और न्यायाधीश अली रजिनी की मौत हो गई। 'इरना' के मुताबिक, इस हमले में एक न्यायाधीश का अंगरक्षक भी घायल हो गया। समाचार एजेंसी के मुताबिक, बाद में हमलावर ने खुद को भी गोली मारकर अपनी जान दे दी।

बच्चों से मिलाने के लिए सीमा हैदर के पहले पति ने भारत सरकार से मदद मांगी

कराची/भाषा। चार बच्चों के साथ 2023 में गैर कानूनी तरीके से भारत गयी पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के पहले पति ने पड़ोसी देश की सरकार से अपने बच्चों से मिलने और उन्हें अपने पास रखने में मदद करने की अपील की है। सीमा अपने प्रेमी के साथ रहने के लिए भारत आई थी, जिससे उनकी मुलाकात ऑनलाइन माध्यम से हुई थी। सीमा (32) सिंध प्रांत के जैकोबाबाद की रहने वाली है और मई 2023 में अपने बच्चों को लेकर कराची स्थित अपने घर से नेपाल के रास्ते भारत आई थी।

आरजी कर मामला:

आरोपी संजय रॉय को अदालत ने दोषी करार दिया

कल सुनाई जाएगी सजा

कोलकाता/भाषा। कोलकाता की एक अदालत ने आरजी कर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में आरोपी संजय रॉय को शनिवार को दोषी करार दिया। इस जघन्य अपराध के बाद देश भर में आक्रोश फैल गया था और लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन जारी रहा। मामले की सुनवाई कर रही सियालदह की अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास ने कहा कि वह इस मामले में सोमवार को सजा सुनाएंगे। यह फैसला पिछले साल नवंबर में बंद कमरे में शुरू हुई सुनवाई के लगभग दो महीने बाद और नौ अगस्त 2024 को घटित इस जघन्य अपराध के 162 दिन बाद सुनाया गया।

मामले की शुरुआत में जांच कर रही कोलकाता पुलिस ने 10 अगस्त को रॉय को गिरफ्तार किया था। इससे एक दिन पहले महिला चिकित्सक का शव अस्पताल के सेमिनार रूम में मिला था। उसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (बलात्कार), 66 (मौत का कारण बनने के लिये सजा) और 103(1) (हत्या) के तहत आरोपित किया गया था। बीएनएस 103(1) के तहत कम से कम आजीवन कारावास और अधिकतम फांसी की सजा के प्रावधान हैं।

न्यायाधीश ने कहा कि रॉय को प्रशिक्षु चिकित्सक का यौन उत्पीड़न करने और उसकी गला घोंटकर हत्या करने का दोषी पाया गया है और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उसके खिलाफ सभी आरोप साबित कर दिए हैं। दास ने दोषसिद्धि का आदेश सुनाते हुए कहा कि रॉय सुबह करीब चार बजे अस्पताल में दाखिल हुआ और ड्यूटी पर मौजूद प्रशिक्षु चिकित्सक पर उस वक्त हमला किया, जब वह अस्पताल के सेमिनार रूम में सो रही थी। उन्होंने कहा, ''तुमने चिकित्सक पर यौन हमला किया। तुमने उसका गला घोंटा और उसका चेहरा ढक दिया तथा इस हमले के कारण आखिरकार उसकी मौत हो गई।'' न्यायाधीश ने कहा, ''गवाहों के बयानों और इस मामले में पेश किए गए दस्तावेजों के आधार पर तुम्हारा अपराध साबित हो गया है और तुम्हें दोषी ठहराया जा रहा है।''

भाजपा के सहयोगी दलों, लोकतांत्रिक ताकतों को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विरोध करना चाहिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पहल के जरिए एक शासन प्रणाली लागू करने के प्रयास के लिए केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सत्तारूढ़ दल के सहयोगी दलों एवं सभी लोकतांत्रिक ताकतों से इस कदम का विरोध करने और देश तथा संविधान को बचाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने का विचार भाजपा नीत सरकार का एजेंडा है, ताकि पूरे देश में एक ही चुनाव लागू करने की स्थिति पैदा की जा सके।

स्टालिन ने यहां द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की विधि शाखा के तीसरे राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें भाजपा की एक राष्ट्र, एक चुनाव योजना का विरोध करना चाहिए क्योंकि वह देश में एक पार्टी का शासन लाना चाहती है। भाजपा सरकार एक धर्म, एक भाषा, एक संस्कृति और एक समान ड्रेस कोड के अलावा एक भोजन भी चाहती है। इसलिए वह देश पर एक साथ चुनाव थोपना चाहती है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा एक सरकार स्थापित करने के लिए राज्यों को नष्ट करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''यह भाजपा की दीर्घकालिक योजना है। वह एक साथ चुनाव कराना चाहती है, ताकि पूरे देश में एक ही चुनाव कराने की स्थिति पैदा हो। इससे देश में एक शासन का मार्ग प्रशस्त होगा।''

उन्होंने यह भी दावा किया कि इस कदम से एक व्यक्ति को सारे अधिकार मिल जाएंगे, जो भाजपा के लिए भी अच्छा नहीं है। द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''यह संशोधन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तानाशाह बनाने के लिए उपयोगी होगा, लेकिन यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।''

अभिनेता सैफ अली खान पर हमला :

छत्तीसगढ़ से पकड़ा गया एक संदिग्ध

मुंबई/दुर्ग/भाषा। अभिनेता सैफ अली खान पर मुंबई में उनके घर पर चाकू से हुए हमले के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने शनिवार दोपहर छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन से एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संदिग्ध की तस्वीर मुंबई पुलिस ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ साझा की थी। संदिग्ध मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) से कोलकाता शालीमार के बीच चलने वाली ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा था। मुंबई पुलिस ने बाद में एक बयान में कहा कि हिरासत में लिया गया व्यक्ति आकाश कैलाश कन्नोजिया (31) अब भी संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि उचित सत्यापन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले शुक्रवार को एक बढ़ई को हिरासत में लिया गया था क्योंकि वह अभिनेता की बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध हमलावर के स्क्रीनग्रैब से मिलता जुलता था। लेकिन, बाद में उसे रिहा कर दिया गया क्योंकि उसका अपराध से कोई संबंध नहीं पाया गया।

भारत-सिंगापुर सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए काम कर रहे : राष्ट्रपति षणमुगरत्नम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम ने शनिवार को कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख ध्रुव के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका देश सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र और हवाई संपर्क के क्षेत्र में योगदान करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने ओडिशा के अपने दो दिवसीय दौरे के अंत में मीडिया से बातचीत में कहा, ''भारत एक बहुध्रुवीय दुनिया में अपने तरीके से एक ध्रुव बनने की आकांक्षा रखता है, जो भू-राजनीतिक रूप से सच होने के साथ आर्थिक रूप से भी सच है। भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख ध्रुव के रूप में उभर रहा है। भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसके साथ हम सहयोग करना चाहेंगे।''

उन्होंने कहा, ''अपनी जनसांख्यिकी, अपनी विकास प्रक्रियाओं और अपनी निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की अहम क्षमता के कारण, भारत एक ऐसा देश है जिसके साथ सिंगापुर संभवतः सहयोग करेगा।'' उन्होंने कहा कि भारत और सिंगापुर की प्राथमिकताएं भी बहुत हद तक समान हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के तहत स्थापित प्राथमिकताओं के अनुसार, दोनों सरकारें भारत में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। सिंगापुर देख रहा है कि यह कैसे 'पारिस्थितिकी तंत्र' में योगदान दे सकता है और यह नई पीढ़ी के औद्योगिक पार्कों पर भी विचार कर रहा है, विशेष रूप से सेम्बकॉर्प बहुत सक्रिय रूप से नए औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए संभावित स्थलों की खोज कर रहा है।''

19-01-2025 सूर्यास्त 6:14 बजे | 20-01-2025 सूर्योदय 6:46 बजे

BSE	NSE
76,619.33	23,203.20
(-423.49)	(-108.60)

सोना	चांदी
8,245 रु.	91,599 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

महाबली भारत

ड्रेगन छोड़ रहा है जल कर,
श्वांसे अपनी जहरीली।
भौंक रहा इक गंदा पिल्ला,
जिसकी फ़ितरत सड़ी गली।
कांव-कांव करते कुछ कौवे,
जंगल-जंगल बात चली।
अमरीका है महाशक्ति तो,
भारत भी है महाबली।।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा

जब मैंने देश छोड़ा तो मौत कुछ ही मिनटों की दूरी पर थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना पिछले वर्ष पांच अगस्त को केवल 20-25 मिनट के अंतर से मौत से बच गईं थीं, जब छात्रों के नेतृत्व में हुए जन विद्रोह में उनकी अवामी लीग सरकार गिरा दी गई थी।

अपनी पार्टी द्वारा फेसबुक पेज पर जारी एक संक्षिप्त ऑडियो नोट में हसीना ने अपनी जान बचाने के लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उनपर पूर्व में हुए दो हमलों को भी याद किया, जिनमें वे बाल-बाल बच गई थीं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि ईश्वर ने उनके द्वारा कुछ महान कार्य करवाने की दैवीय योजना के तहत उनके जीवन को बचाया है।

ऑडियो क्लिप में वह बांग्ला में कहती सुनाई दे रही हैं, हम मौत से सिर्फ 20-25 मिनट के अंतर से बच गए। मुझे लगता है कि 21 अगस्त को हुई हत्याओं से बचना, कोटालीपारा में बड़े बम विस्फोट से बचना या पांच अगस्त 2024 को बचना, इसके पीछे अल्लाह की मर्जी, अल्लाह का हाथ होना चाहिए। अन्यथा, मैं इस बार नहीं बच पाती।

हर कीमत पर करायेंगे जातीय जनगणना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की मांग को दोहराते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी इसे किसी भी कीमत पर करवाकर रहेगी। उन्होंने बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना को 'फर्जी' बताया और कहा कि यहां लोगों को बेवकूफ बनाया गया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर देश के संविधान को कमजोर करने और हाशिए पर पड़े समुदायों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आरएसएस प्रमुख मोहन का 'सच्ची आजादी' वाला बयान ''देश के संविधान के खिलाफ है''।

राहुल ने पटना के बापू सभागार में 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा, दलितों, अल्पसंख्यकों और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहे समुदायों की आबादी देश की कुल जनसंख्या का नब्बे फीसदी है, लेकिन वे व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं....यही कारण है कि हम जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा पहला कदम यह पता लगाना होगा कि देश में विभिन्न जातियों की स्थिति क्या है और हम इसे (जातीय जनगणना) छोड़ने वाले नहीं हैं। यह बिहार वाली जाति आधारित गणना नहीं होगी, जो फर्जी और लोगों को बेवकूफ बनाने वाली है। उन्होंने कहा, बिना जातीय जनगणना के विकास की सही तरीके से बात नहीं की जा सकती। इसलिए मैंने संसद में मोदी जी के सामने कहा है, चाहे कुछ भी हो जाए कांग्रेस जाति जनगणना करवाकर रहेगी।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में जातीय जनगणना कराना इसलिए महत्वपूर्ण है ताकि पता लगाया जा सके कि नौकरशाही और अन्य क्षेत्रों में ओबीसी, दलितों और अन्य की कितनी भागीदारी है। उन्होंने कहा, जातीय जनगणना का उद्देश्य सिर्फ विभिन्न जातियों की संख्या का पता लगाना नहीं, बल्कि देश की संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी के बारे में भी जानना है...। उन्होंने दावा किया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा, हम बहुसंख्य लोगों के लाभ के लिए इस सीमा को बढ़ाएंगे।

वैष्णव ने बुलेट ट्रेन परियोजना में समुद्र के नीचे की सुरंग के काम का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/ ठाणे/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई–अहमदाबाद उच्च गति रेल गलियारे (बुलेट ट्रेन परियोजना) के तहत समुद्र के नीचे निर्माणाधीन सुरंग का शनिवार को निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति पर संतोष जताया। परियोजना के तहत 21 किलोमीटर लंबी सुरंग में ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर का हिस्सा शामिल है। यह सुरंग बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्टेशन को शिलफाटा से जोड़ेगी। समुद्र के नीचे बनी यह सुरंग देश में अपनी तरह की पहली सुरंग है।

वैष्णव ने नवी मुंबई के घनसोली में संवाददाताओं से कहा कि समुद्र के नीचे सुरंग का डिजाइन तैयार कर लिया गया है और इसका निर्माण बड़ी सावधानी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा, सुरंग के डिजाइन और इसमें इस्तेमाल की जा रही प्रौद्योगिकी की मदद से दो ट्रेनें 250 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजर सकती हैं। हवा और प्रकाश के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा गया है। परियोजना के 340 किलोमीटर लंबे हिस्से पर निर्माण कार्य अच्छी गति से चल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस परियोजना में ट्रेन कोलकाता मेट्रो की नदी के नीचे बनी सुरंग में संचालित ट्रेनों के मुकाबले कही अधिक रफ्तार से गुजर सकेंगी। वैष्णव ने कहा, इस परियोजना में नदियों पर पुल निर्माण और स्टेशन के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति देखी जा रही है। बीकेसी में स्टेशन एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, जिसमें 10 भूमिगत तल और सात जमीन से ऊपर के तल हैं। हाई–स्पीड रेल परियोजना तय समय पर चल रही है। इसका निरीक्षण और अनुमोदन जापानी विशेषज्ञ कर रहे हैं। रेल मंत्री ने कहा कि मध्यम वर्ग के लिए किफायती, कुशल परिवहन साधन उपलब्ध कराने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना धीरे–धीरे साकार हो रहा है। वैष्णव ने कहा कि देश में पहली बार हाई–स्पीड रेल मार्ग के पूरा होने से मुंबई और अहमदाबाद सहित मार्ग में पड़ने वाले शहरों की अर्थव्यवस्थाएं एकीकृत होंगी और शहरी विकास को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, इस गलियारे के साथ बनने वाले स्टेशन शहरी विकास को बढ़ावा देंगे और यात्रा के समय को महत्वपूर्ण रूप से कम करके दैनिक यात्रियों की उत्पादकता बढ़ाएंगे। हाई–स्पीड ट्रेन को एक परिवहन परियोजना के रूप में न देखकर अर्थव्यवस्था के एकीकरण के रूप में देखें। यह भारत के बुनियादी ढांचे और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगी।

भारतीय नौसेना आठ देशों की नौसेनाओं के साथ एक बड़ा नौसैन्य अभ्यास कर रही

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना उथल–पुथल वाले भू–राजनीतिक माहौल और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के अपना प्रभाव बढ़ाने की पृष्ठभूमि में, अमेरिका और फ्रांस सहित आठ देशों की नौसेनाओं के साथ एक बड़े युद्धाभ्यास में भाग ले रही है।

नौसैन्य अभ्यास 'ला पेरोस' हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच स्थित जलडमरूमध्यों के साथ मलक्का, सुंडा और लोम्बोक में जारी है। इन जलडमरूमध्य को वैश्विक समुद्री व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सोलह जनवरी से शुरू हुए नौ दिवसीय अभ्यास का उद्देश्य समुद्री निगरानी, हवाई अभियानों और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में भाग लेने वाले देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक पोत 'चार्ल्स डे गाउले' के नेतृत्व में फ्रांसीसी नौसेना का बेड़ा अभ्यास का मुख्य हिस्सा है। भारतीय नौसेना के अनुसार, भारत का स्वदेश विकसित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मुंबई भी अभ्यास का हिस्सा है। भारत, अमेरिका और फ्रांस के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, कनाडा और ब्रिटेन की नौसेनाएं भी इस अभ्यास में भाग ले रही हैं।

सहज स्मृति योग

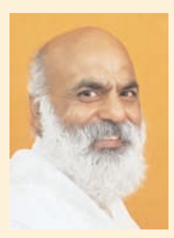

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, महाकुंभ चल रहा है इसका वर्तमान समय में क्या महत्व है ?

उत्तर: जैसे क्षण और सनातन एक ही अस्तित्व के दो पहलू हैं वैसे ही सृष्टि के यथार्थ के भी दो पहलू होते हैं। एक तो वह जो इतिहास कथा इत्यादि के रूप में शास्त्रीय परंपरा से कतिपय क्षरण और संशोधन दोनों प्रक्रियाएं झेलता हुआ संरक्षित रहता है और दूसरा पहलू वह है जो निरंतर गतिशील लोक परंपरा के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होता रहता है। कुंभ का महत्व उपरोक्त दोनों दृष्टियों से अक्षुण्ण है। दोनों दृष्टियों से कुंभ में अमृत स्नान करने की परंपरा है। शास्त्रीय दृष्टि या ज्ञान दृष्टि से यह साधु संतों की तत्वज्ञान प्रदायिनी अमृत वाणी में गोता लगा स्नान कर जीवात्मा के स्नातक या परास्नातक हो अमृत–बोध (अनुभूति) या मोक्ष–बोध (अनुभूति) प्राप्ति का अवसर है। इसे लोक कथा, इतिहास आस्था की दृष्टि से देखें तो यह उस त्रिवेणी संगम में स्नान करने का अवसर है जहाँ अमृत छलक कर गिरा था। खगोलीय दृष्टि से भी कुंभ के मुहूर्त में ग्रह नक्षत्रों की अभूत पूर्व स्थिति बन रही है और जिन्हे दिव्यता बोध नहीं है, केवल मानवता बोध है। ऐसे लोकायतों के लिए भी यह चालीस करोड़ से अधिक लोगों के एक जगह एक भाव से एकत्र होने का अभूतपूर्व सार्वभौमिक अखिल ब्रह्मांडीय आयोजन है, तो महाकुंभ का महामहत्व तो हर दृष्टि से है।यह हम सब के आत्म गौरव से स्वयं की आत्मा (कुंभ) को पूर्णत: भरने का अलौकिक अवसर है जो पृथ्वी लोक में सबके लिए खुला है जो लाभ लेना चाहते हैं उनको प्राप्त हो रहा है।

केजरीवाल के आगे बढ़ने से भाजपा मजबूत होगी : माकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के आगे बढ़ने से भारतीय जनता पार्टी को फायदा होता है और कांग्रेस को कमजोर करके राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का मुकाबला नहीं किया जा सकता।

उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने उस पुराने वक्तव्य पर कायम हैं जिसमें उन्होंने आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल को फर्जीवाल और एंटी नेशनल (राष्ट्र विरोधी) कहा था, हालांकि इसे कांग्रेस नेता ने अपनी व्यक्तिगत राय बताया।

कांग्रेस के कोषाध्यक्ष ने कांग्रेस के नए मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित पार्टी के पहले संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा, मेरी यह निजी राय है कि आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने से दिल्ली की जनता को बहुत नुकसान हुआ और फायदा भाजपा को हुआ।

वरिष्ठ नेता अजय माकन ने दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप के साथ गठबंधन नहीं होने के लिए केजरीवाल के नेतृत्व वाले दल ही जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना था, हम हरियाणा और दिल्ली चुनाव आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ना चाहते थे। लेकिन जैसे ही अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आए, उन्होंने घोषणा की कि वह (हरियाणा की) सभी 90 सीटों पर अलग चुनाव लड़ेंगे। जहां तक दिल्ली चुनाव की बात है तो आप ने लोकसभा चुनाव के बाद घोषणा की थी कि वह दिल्ली चुनाव अकेले लड़ेगी। गोपाल राय ने यह घोषणा की थी।

पिछले दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बढ़कर 22.4 घंटे हुई: मनोहर लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंत्री ने कहा, स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं और वितरण कंपनियों दोनों को होगा लाभ

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति में नौ घंटे और शहरी क्षेत्रों में 1.4 घंटे का उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, बिजली मंत्रालय के लिए संसद सदस्यों की परामर्शदात्री समिति की बृहस्पतिवार को हुई बैठक में पुनरीक्षित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई। इस बैठक में मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में शहरी क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता 22 घंटे से बढ़कर 23.4 घंटे हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 12.5 घंटे से बढ़कर 22.4 घंटे हो गई है। आरडीएसएस योजना के बारे में मंत्री ने कहा कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं और वितरण कंपनियों दोनों को लाभ होगा क्योंकि इससे बिलिंग त्रुटियां कम होंगी, ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी और उपयोगकर्ताओं को अधिक सुविधा मिलेगी। मनोहर लाल ने कहा कि मंत्रालय ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ समन्वय में पीएम सूर्य घर योजना के तहत छतों पर सौर इकाइयां (आरटीएस) लगाते समय उपभोक्ताओं को होने वाली मुश्किलें कम करने के लिए कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा, इन उपायों में 10 किलोवाट तक के कनेक्शनों के लिए तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन की शर्त को हटाना, 10 किलोवाट तक के आरटीएस प्रतिष्ठानों के लिए भार वृद्धि को लागू करना आदि शामिल हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आरडीएसएस योजना के तहत विभिन्न राज्यों में 29 नवंबर तक लगभग 73 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। हालांकि 11 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों में एक भी स्मार्ट प्रीपेड मीटर नहीं लगे हैं। जुलाई, 2021 में शुरू की गई पुनरीक्षित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत 3.3 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय से मार्च, 2025 तक लगभग 25 करोड़ स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने हैं। अब तक 1.12 लाख करोड़ रुपए के काम आवंटित किए जा चुके हैं जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

अब ईपीएफओ के सदस्य खुद ही कर सकेंगे निजी जानकारियों में संशोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के 7.6 करोड़ से अधिक सदस्य अब नियोक्ता द्वारा किसी सत्यापन या ईपीएफओ की मंजूरी के बगैर भी नाम और जन्मतिथि जैसी व्यक्तिगत जानकारियों में ऑनलाइन बदलाव कर सकते हैं। यह सुविधा शनिवार से शुरू हो गई।

इसके अलावा, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के ई–केवाईसी ईपीएफ खाते (आधार से जुड़े) वाले सदस्य, नियोक्ता के हस्तक्षेप के बिना आधार ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के साथ सीधे अपने ईपीएफ हस्तांतरण दावे ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को ईपीएफओ की इन दोनों नई सेवाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ईपीएफओ सदस्यों द्वारा दर्ज लगभग 27 प्रतिशत शिकायतें सदस्य प्रोफाइल/ केवाईसी मुद्दों से संबंधित हैं और इस सुविधा के शुरू होने के बाद इन शिकायतों में उल्लेखनीय रूप से गिरावट आएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के व्यक्तिगत विवरणों में संशोधन के अनुरोधों का लाभ भारी कार्यबल वाले बड़े नियोक्ताओं को भी होगा। श्रम मंत्री ने कहा कि ईपीएफओ ने ईपीएफओ पोर्टल पर संयुक्त घोषणा की प्रक्रिया को सरल बना दिया है।

हैदराबाद में तकनीकी खराबी के कारण झूला रुक जाने से फंसे रहे लोग

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में वार्षिक 'नुमाइश' में एक झूले पर सवार लोगों को तब तनाव का सामना करना पड़ा जब वे किसी तकनीकी खराबी की वजह से झूला रुकने से कुछ मिनट तक झूले पर ही फंसे रहे। एक आयोजक ने बताया कि घटना 16 जनवरी को घटी जब 'रेंजर' झूले पर सवार 10–12 लोग लगभग 10 मिनट तक झूले के ऊपर ही फंसे रहे। उन्होंने बताया तकनीशियनों ने बैटरी और उसकी बेरिंग से संबंधित खराबी को ठीक किया, जिसके बाद झूला फिर से शुरू हुआ। प्रदर्शनी सोसाइटी के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि बैटरी में दिक्कत आने के कारण झूले को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने दिखाई एसयूवी 'मैजेस्टर' की झलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने शनिवार को भारत में डी–खंड के पहले स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) एमजी मैजेस्टर का अनावरण किया। वाहनों के आकार के आधार पर तय होने वाला डी–खंड एक मध्यम आकार का वाहन होता है जो कॉम्पैक्ट कारों से बड़ा लेकिन बड़े आकार वाली कारों से छोटा होता है।

कंपनी ने कहा कि मैजेस्टर मॉडल एक नया डी–खंड का एसयूवी है, जिसमें शहरी और ऑफ–रोड ड्राइविंग की स्थितियों के लिए व्यापक आयाम हैं। इसके अलावा कंपनी ने आईएम5, आईएम6, एमजी एचएस और एमजी7 ट्रॉफी संस्करण सहित नौ वैश्विक मॉडलों की शृंखला भी प्रदर्शित की।

आईएम5 एक लक्जरी सेडान है जबकि आईएम6 एक पूर्ण इलेक्ट्रिक एसयूवी है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सीएएसई (कनेक्टेड, ऑटोनोमस, शेयर्ड और इलेक्ट्रिक) प्रौद्योगिकी में अपनी दक्षता के रूप में नए युग की प्रौद्योगिकी प्रदर्शित की हैं।

इस अवसर पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मानद मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव छाबा ने कहा, हम एक्सपो में 'सीएएसई' प्रौद्योगिकियों में अपनी अग्रणी पहलों को प्रदर्शित करने के लिए उत्साहित हैं, जो परिवहन के भविष्य को आकार देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है। हमारा दृष्टिकोण परिवहन को एक टिकाऊ, कनेक्टेड और ग्राहक–केंद्रित अनुभव में बदलने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का फायदा उठाने पर आधारित है।

कंपनी ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (एचईवी), प्लग–इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (पीएचईवी), बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) और परंपरागत दहन इंजन (आईसीई) मॉडल सहित कई पावरट्रेन विकल्पों का प्रदर्शन किया है।

भारत में पिछले साल इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 14.08 लाख के पार हुई : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री 2024 में 14.08 लाख इकाई को पार कर गई, जिससे बाजार में प्रवेश दर 5.59 प्रतिशत हो गई। साल 2023 में बाजार में प्रवेश दर 4.44 प्रतिशत रही थी।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि बढ़ती ईवी स्वीकार्यता इसमें बढ़ते सार्वजनिक विश्वास को रेखांकित करती है, साथ ही सरकारी प्रोत्साहन और उद्योग नवाचार के सकारात्मक प्रभाव को भी दर्शाती है। भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने यहां फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक कार्यक्रम में कहा, कैलेंडर वर्ष 2024 में कुल ईवी बिक्री 14,08,245 तक पहुंच गई, जिसमें 5.59 प्रतिशत की प्रवेश दर थी। कैलेंडर वर्ष 2023 में 4.44 प्रतिशत की प्रवेश दर के साथ कुल 10,22,994 से अधिक ईवी बिक्री हुई थी। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का मोटर वाहन क्षेत्र वृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है। कुमारस्वामी ने कहा, कैलेंडर वर्ष 2024 में उद्योग ने सामूहिक रूप से 2.61 करोड़ वाहनों की खुदरा बिक्री की।

बीएमडब्ल्यू को भारत में इस साल भी दहाई अंकों में वृद्धि की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जर्मनी की लक्जरी वाहन कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वर्ष 2024 की शानदार बिक्री से उत्साहित होकर इस साल भारत में दहाई अंकों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद लगाई है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विक्रम पावा ने शनिवार को कहा कि कंपनी को इस साल अपने इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री पोर्टफोलियो में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने पिछले साल 15,721 कारों के साथ अपनी अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की थी जो एक साल पहले की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। बीएमडब्ल्यू ब्रांड ने 15,012 इकाई बेचे जबकि मिनी ब्रांड के 709 वाहन बिके थे।

इसके अलावा समूह के मोटरसाइकिल ब्रांड बीएमडब्ल्यू मोटरैड ने भी पिछले साल 8,301 इकाइयां बेची थीं।

यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी पिछले साल की तरह ही वृद्धि की उम्मीद कर रही है, पावा ने कहा, दहाई अंकों से कम वृद्धि के बारे में सोचना भी भारत को कमतर आंकने की तरह होगा। उन्होंने कहा कि कंपनी सभी वाहन खंडों में भारतीय बाजार में बहुत ठोस रफ्तार से वृद्धि देख रही है।

पावा ने कहा, मुझे 2025 में भी यही उम्मीद है। हमने हमेशा कहा है कि हमारे पास एक बहुत ही मजबूत रणनीति है जिसे हमने तीन साल पहले अपनाया था। उन्होंने ईवी की बिक्री पर कहा कि बीएमडब्ल्यू ने 2024 में भारत में 3,000 इकाइयों की कुल बिक्री का मील का पत्थर पार कर लिया है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

समूह के मोटरसाइकिल ब्रांड बीएमडब्ल्यू मोटरैड ने शनिवार को अपनी नई बाइक बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस एडवेंचर पेश की। इसकी शुरुआती कीमत 22.95 लाख रुपए है। इसके अलावा कंपनी ने देश में बिल्कुल नई एक्स3 भी पेश की, जिसकी कीमत 75.8 लाख रुपए है।

विनफास्ट इस साल की दूसरी छमाही में पेश करेगी दो इलेक्ट्रिक एसयूवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वियतनाम की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता विनफास्ट ऑटो ने कहा कि वह साल के अंत तक दो इलेक्ट्रिक एसयूवी–वीएफ 7 और वीएफ 6 के साथ भारतीय बाजार में कदम रख देगी।

तमिलनाडु के तूतीकोरिन में अपना विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने पर 50 करोड़ डॉलर का निवेश कर रही विनफास्ट को उम्मीद है कि 2025 की दूसरी छमाही में यह संयंत्र बनकर तैयार हो जाएगा जिसके बाद वह अपने उत्पादों को पेश करेगी। विनफास्ट नई ईवी नीति के तहत प्रोत्साहन के लिए भारत में अपने निवेश पर विचार करने के लिए सरकार के साथ भी बातचीत कर रही है। वह भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों को पश्चिम एशिया एवं अफ्रीकी बाजारों में निर्यात करना चाहती है। विनफास्ट एशिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी फाम सान चाउ ने यहां एक बातचीत में कहा, उम्मीद है कि तूतीकोरिन संयंत्र साल की पहली छमाही के अंत या दूसरी छमाही की शुरुआत तक पूरा हो जाएगा, तब हम अपनी कारें पेश कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि विनफास्ट इस साल भारत में दो इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल लेकर आएगी जिनके नाम वीएफ 7 और वीएफ 6 होंगे। उन्होंने कहा, हम एक दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आए हैं, कारखाने का निर्माण हो रहा है, डीलरों और कार्यशालाओं का एक नेटवर्क और चार्जिंग पॉइंट्स का एक नेटवर्क भी खड़ा कर रहे हैं। हम कार बेचने के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए आना चाहते हैं। विनफास्ट ने यहां आयोजित 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' में अपनी वीएफ3, वीएफ ई34, वीएफ8, वीएफ9 एसयूवी के साथ ईवो 200, क्लारा, फेलिज, वेंटो, थियोन इलेक्ट्रिक स्कूटर, ड्रैगनफ्लाई इलेक्ट्रिक बाइक और वीएफ पिकअप ट्रक कॉन्सेप्ट को प्रदर्शित किया।

वेव मोबिलिटी ने 3.25 लाख रुपए में सौर-चालित ईवी 'एवा' को पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता वेव मोबिलिटी ने शनिवार को अपना सौर ऊर्जा से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहन 'एवा' को 3.25 लाख रुपए की शुरुआती कीमत में पेश किया। तीन सीट वाले इस इलेक्ट्रिक वाहन को यहां आयोजित 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' में पेश किया गया।

किफायती एवं छोटे आकार की ईवी मुहैया कराने के मकसद से विकसित इस वाहन को कंपनी ने तीन संस्करणों में पेश किया है। हालांकि शुरुआती 25,000 वाहनों की बुकिंग के लिए ही कंपनी ने यह खास कीमत रखी है। इस अवसर पर वेव मोबिलिटी के सह–संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी नीलेश बजाज ने कहा कि कंपनी इसका वाणिज्यिक उत्पादन अगले साल के मध्य से शुरू करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि वाहनों की आपूर्ति वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में शुरू हो जाएगी। हालांकि इच्छुक ग्राहक इसकी प्री–बुकिंग अभी से कर सकते हैं। कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी विलास देशपांडे ने पीटीआई–भाषा से कहा कि शुरुआत में इस वाहन को पुणे एवं बेंगलूरु जैसे चुनिंदा शहरों में उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा, हम इसे देश के अन्य हिस्सों में चरणबद्ध ढंग से पेश करेंगे।

‘जय बापू, जय भीम, जय संविधान’ सम्मेलन 21 को

संविधान की रक्षा के संदेश के लिए है आयोजन : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धारवाड़/हुब्बल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि ‘जय बापू, जय भीम, जय संविधान’ सम्मेलन में गांधीजी और डॉ. इसका आयोजन अंबेडकर की याद में और संविधान की रक्षा के उद्देश्य से किया जा रहा है।

शिवकुमार ने धारवाड़ में पार्टी नेताओं के साथ प्री-कॉन्फ्रेंस बैठक की और उसके बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, ‘जय बापू, जय भीम, जय संविधान’ एक ऐसा सम्मेलन है, जो पूरे देश को एक बड़ा संदेश देगा। बेलगावी से देश को एक नया संदेश जायेगा। गांधीजी का इतिहास कांग्रेस का इतिहास है, कांग्रेस का इतिहास देश का इतिहास है। कांग्रेस सत्ता में आती है। हम अपने देश के लिए गांधीजी पर आधारित कार्यक्रम कर रहे हैं। उन्होंने देश को जो आधार दिया, उस पर चर्चा हो रही है।’

शिवकुमार ने कहा, ‘महात्मा गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करते हुए सौ साल हो गए हैं। वर्ष 1924 में एकीकृत कर्नाटक के लिए मंच तैयार किया गया था। इसके लिए गंगाधर देशपांडे ने कड़ी मेहनत की। गांधीजी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद देश को आज़ादी मिली, लोकतांत्रिक व्यवस्था मिली, राष्ट्रीय ध्वज मिला, राष्ट्रगान मिला, संविधान मिला। उन्होंने कहा, ’हम संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत निर्वाचित विधायक, मंत्री और पंचायत सदस्य हैं। संविधान हमारा भगवत गीता, कुरान और बाइबिल है। हमें इसकी रक्षा करनी चाहिए और इसका विकास करना चाहिए।’

शिवकुमार ने कहा, ’मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने इस कार्यक्रम की योजना बनाई है ताकि देश को एक बड़ा संदेश दिया जा सके कि संविधान की रक्षा की जानी चाहिए। एचके पाटिल को गांधी भारत कार्यक्रम की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार और पार्टी को कौन से कार्यक्रम चलाने चाहिए, इस पर उन्होंने मार्गदर्शन दिया है। हमने दिल्ली के नेताओं से इस पर चर्चा की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ’धारवाड़ जिले के सभी नेता बड़े उत्साह के साथ इस संदेश को गांव-गांव तक फैला रहे हैं। मैं उन्हें बधाई देता हूं। इसके अलावा राज्य में 100 कांग्रेस कार्यालय बनाने की तैयारी चल रही है। यह कार्यक्रम फरवरी के दूसरे सप्ताह में होगा। इसके लिए तैयारियां चल रही हैं।’

गौरतलब है कि ’जय बापू, जय भीम, जय संविधान’ सम्मेलन पिछले साल 27 दिसंबर को होने वाला कार्यक्रम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण स्थगित कर दिया गया था। वह कार्यक्रम इसी 21 तारीख को होगा। यह केपीसीसी द्वारा आयोजित एक एआईसीसी कार्यक्रम है।

इसरो ने विकास तरल इंजन को पुनः चालू करने संबंधी परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने महेंद्रगिरि के प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स’ में एक परीक्षण केन्द्र में अपने विकास तरल इंजन को फिर से चालू करने संबंधी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसरो ने शनिवार को यह जानकारी दी। विकास इंजन का उपयोग प्रक्षेपण यानों के तरल चरणों (लिक्विड स्टेज) को शक्ति प्रदान करने में किया जाता है।

इसरो की ओर से जारी एक बयान के अनुसार यह परीक्षण 17 जनवरी को किया गया। यह चरणों की पुनर्प्राप्ति के वास्ते प्रौद्योगिकियों के विकास में मील का पत्थर है। विभिन्न परिस्थितियों में इंजन को पुनः चालू करने के लिए कई परीक्षण किए जा रहे हैं।

इसरो ने कहा, ‘‘इस परीक्षण में इंजन को 60 सेकंड के लिए चालू किया गया फिर इसे 120 सेकंड के लिए बंद किया गया, फिर पुनः चालू किया गया। परीक्षण के दौरान इंजन के सभी मानक सामान्य और अपेक्षा के अनुरूप थे।’’ इससे पहले पिछले वर्ष दिसंबर में भी यह परीक्षण किया गया था। इसके अलावा, इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने शुक्रवार को इसरो के एलवीएम3 प्रक्षेपण यान के कोर लिक्विड स्टेज’ (एल110) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुडा घोटाले में ईडी की कार्रवाई के बाद भाजपा ने सिद्दरामय्या से तत्काल पद छोड़ने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से तत्काल पद छोड़ने की मांग की। विपक्षी दल ने यह मांग प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुडा (एमयूडीए) की 142 अचल संपत्तियों को कुर्क करने की पृष्ठभूमि में की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने सिद्दरामय्या एवं अन्य के खिलाफ दर्ज मामले के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएल) 2002 के प्रावधानों के तहत 142 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है, जिनका बाजार मूल्य करीब 300 करोड़ रुपये है। ईडी ने कहा कि कुर्क की गई संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘अगर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या अपने कार्यालय की शुचिता को महत्व देते हैं, तो उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए और निष्पक्ष जांच की अनुमति देनी चाहिए। कर्नाटक के लोग पारदर्शिता, जवाबदेही और न्याय के हकदार हैं।’’ शिकारीपुरा के भाजपा विधायक ने इसे मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट आवंटन घोटाले के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी जीत करार दिया है।

एमयूडीए घोटाले के बारे में बताते हुए ईडी ने कहा, ‘‘आरोप है कि सिद्दरामय्या ने प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित तीन एकड़ 16 गुंटा भूमि के बदले, अपनी पत्नी बी.एम. पार्वती के नाम 14 भूखंडों का मुआवजा पाने के लिए राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल किया है।’’ जांच एजेंसी ने कहा, यह भूमि मूल रूप से प्राधिकरण द्वारा 3,24,700 रुपये में अधिग्रहित की गई थी। पॉश इलाके में 14 भूखंडों के रूप में मुआवजा (लगभग) 56 करोड़ रुपये का है। ईडी ने कहा कि पार्वती को मुआवज़ा भूखंडों के अवैध आवंटन में पूर्व एमयूडीए आयुक्त डी बी नटेश की भूमिका महत्वपूर्ण साबित हुई है।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि ईडी की जांच ने सिद्दरामय्या से जुड़े महत्वपूर्ण भ्रष्टाचार को उजागर किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पत्नी के नाम पर अवैध रूप से भूखंड आवंटित करने के लिए अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल किया। प्रदेश भाजपा प्रमुख ने कहा कि जब राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी, तो कांग्रेस ने राज्यपाल के संवैधानिक अधिकार का अपमान करने और उसे कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उन्होंने बताया कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि मुख्यमंत्री के परिवार के खिलाफ आरोपों की गहन जांच की जरूरत है।

ईडी की सराहना करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि जांच एजेंसी ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके जांच को विफल करने के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के किसी भी दुर्भावनापूर्ण प्रयास को विफल कर दिया। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि भाजपा और उसकी सहयोगी जद(एस) मुख्यमंत्री और उनके समर्थकों द्वारा सत्ता के इस ‘‘खुलेआम दुरुपयोग’’ के खिलाफ विधानसभा के अंदर और बाहर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है।

केंद्र ने कर्नाटक में गरीबों के लिए अतिरिक्त 4.68 लाख मकान मंजूर किए : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने कर्नाटक में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए अतिरिक्त 4.68 लाख मकानों को मंजूरी दी है। ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण विभाग का प्रभार संभाल रहे चौहान ने यहां संवाददाताओं को बताया कि यह केंद्र द्वारा मूल रूप से स्वीकृत 2.57 लाख मकानों के अलावा है। मंत्री ने कहा कि आज सुबह उनकी कर्नाटक के ग्रामीण विकास, राजस्व और कृषि मंत्रियों के साथ बैठक हुई। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद राज्य के प्रत्येक गरीब परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत सितम्बर में 2.57 लाख मकान स्वीकृत किये तथा इसके लिए अनुदान भी जारी किया।

मंत्री ने कहा, अब हमने लक्ष्य बढ़ाने का फैसला किया है और कुल मिलाकर 4.68 लाख अतिरिक्त घरों को मंजूरी दी है। भाजपा के लिए गरीबों की सेवा करना भगवान की पूजा है। चौहान ने कर्नाटक सरकार से आवास परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की। मंत्री ने कहा कि सीमा क्षेत्र विकास योजना के तहत कर्नाटक के लिए 97 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे।

जब उनसे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के केंद्र द्वारा धन के अन्यायपूर्ण और असमान वितरण के आरोप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं कर्नाटक में धन लाया हूं।

दो तरह की राजनीति होती है। एक है आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति और दूसरी है विकास और लोक कल्याण की राजनीति। भाजपा दूसरी तरह की राजनीति में विश्वास करती है।

कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का जल्द चुनाव होगा : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के नए अध्यक्ष का जल्द चुनाव होगा। कर्नाटक में भाजपा के संगठन चुनाव प्रभारी चौहान ने कहा कि नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ‘‘जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष के लिए चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम बूथ स्तर के नेताओं के चुनाव भी कराते हैं। कभी-कभी लोग सर्वसम्मति से चुने जाते हैं।’’ वर्तमान में शिकारीपुरा से विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा प्रदेश अध्यक्ष पद पर हैं। वह भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येडीयुरप्पा के बेटे हैं। विजयपुरा से पार्टी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और गोकक से विधायक रमेश जारकीहोली सहित भाजपा विधायकों और नेताओं का एक वर्ग विजयेंद्र का विरोध कर रहा है।

सद्‌गुरु श्री त्यागब्रह्म आराधना कैंकर्य और संगीतोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां चामराजपेट के शंकरमठ में शनिवार को आयोजित एक दिव्य संगीत सभा में सद्गुरु श्री त्यागराज स्वामी की 178वीं आराधना मनाई गई। सदगुरु त्यागब्रह्म कैंकर्य ट्रस्ट द्वारा आयोजित, दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम, श्रृंगेरी के जगद्गुरु अनंतश्रीविभूषित विधुशेखर भारती श्री सन्निधानम द्वारा उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में भव्य पंचरत्न कृति गोष्ठी गायन का आयोजन किया गया। जिसमें 1000 से अधिक शास्त्रीय संगीतकार शामिल हुए। सुबह शुरू होकर, आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समूह प्रस्तुति ने दिन के लिए एक दिव्य स्वर स्थापित किया, इसके बाद प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा गायन और वाद्य प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला हुई।

दौरा

नई दिल्ली में शनिवार को केंद्रीय इस्पात एवं ऊर्जा मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने आज भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में बॉश स्टॉल का दौरा किया। इस मौके पर बॉश लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मोबिलिटी सॉल्यूशंस, बॉश इंडिया के अध्यक्ष संदीप नेलमंगला, बॉश के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरुप्रसाद मुदलापुर आदि उपस्थित थे। कुमारस्वामी ने हाइड्रोजन चालित प्रदर्शनकारी वाहन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया और परिवहन को कार्बन मुक्त करने और स्वच्छ समाधानों के साथ वाणिज्यिक गतिशीलता को बदलने की प्रौद्योगिकी की क्षमता को देखा।

विधानसभा अध्यक्ष खादर फरीद पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में भाग लेंगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर फरीद 20 और 21 जनवरी को बिहार के पटना में आयोजित होने वाले पीठासीन अधिकारियों के 85वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में अध्यक्ष ‘संविधान की 85वीं वर्षगांठ: संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने में संसद एवं राज्य विधान निकायों का योगदान’ विषय पर व्याख्यान देंगे। विधानसभा सचिव एम.के.विशालाक्षी ने एक बयान में बताया कि इस सम्मेलन में भारत के सभी राज्यों के पीठासीन अधिकारी एवं सचिव भाग लेंगे।

एचडी कुमारस्वामी ने दूसरे दिन भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो का दौरा किया

केंद्रीय मंत्री ने देखी उड़ने वाली टैक्सी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.comS

नई दिल्ली/बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने यहां भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो का दौरा किया; विभिन्न ऑटोमोबाइल दुकानों का भ्रमण एवं अवलोकन किया। मंत्री ने कहा कि वह नवोन्वेषी वाहनों की दुनिया को एक ही स्थान पर देख रहे हैं; उन्नत तकनीक से लैस नई पीढ़ी के वाहनों को देखकर वह आश्चर्यचकित रह गए।

भारत मोबिलिटी एक्सपो के दूसरे दिन पहुंचे मंत्री कुमारस्वामी ने हाइड्रोजन ईंधन तकनीक से बने ट्रक को देखा, उस ट्रक में कुछ दूरी तक यात्रा की और उसकी क्षमता की जांच की। कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने के लिए केंद्र सरकार की पहल के तहत कई योजनाएं पहले ही लागू की जा चुकी हैं। इसी मौके पर उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन तकनीक पर आधारित वाहनों के निर्माण के लिए अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा।

मंत्री ने एक निजी एयरलाइन की दुकान का दौरा किया। इलेक्ट्रिक स्पेसशिप या फ्लाइंग टैक्सी (ईवीटीओएल) का बेसब्री से इंतजार था। दूर से इसे देखते हुए, मंत्री इसकी ओर बढ़े उन्होंने अंतरिक्ष यान की तरह वाहन के आंतरिक भाग को देखा। उन्होंने विशेषज्ञों से अंतरिक्ष यान के तकनीकी पहलुओं, उसके उपयोग और उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की। कंपनी ने शहरी क्षेत्रों में अधिक उपयोगी उड़ने वाली टैक्सियों के विकास में 10 मिलियन डॉलर की राशि का निवेश किया है। मंत्री को जानकारी मिली कि कॉम्प कंपनी ने इस फ्लाइंग टैक्सी सेवा को 2028 तक शुरू करने का फैसला किया है। प्रभावशाली फ्लाइंग टैक्सी के साथ, भारत मोबिलिटी ने एक्सपो में ईवी क्षेत्र में अपनी सफलता का अनावरण किया। मंत्री ने इलेक्ट्रिक क्षेत्र के अग्रणी निर्माताओं को ईवी वाहनों के अपने नवीनतम मॉडलों का प्रदर्शन करते हुए देखा। इसी मौके पर मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि प्रदर्शनी में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और टिकाऊ गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए उपायों को देखा गया।

उद्‌घाटन

शनिवार को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा के सुवर्ण संभ्रमा कार्यक्रम का उद्घाटन श्री विधुशेखर भारती स्वामी ने किया।

आत्मनिर्भर गांवों से बनेगा आत्मनिर्भर भारत : शर्मा

प्रदेश में लाभार्थियों को मिले स्वामित्व कार्ड एवं पट्टे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख संपत्ति कार्ड वितरित किए एवं लाभार्थियों से संवाद किया। प्रदेश में लगभग 1 लाख 50 हजार लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड एवं पट्टे वितरित किए गए तथा श्रीगंगानगर जिले की लाभार्थी श्रीमती रचना से प्रधानमंत्री ने संवाद भी किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनकी आवासीय संपत्तियों के कानूनी दस्तावेज उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना की शुरुआत की गई थी तथा इस योजना के तहत अब तक गांवों में लगभग 2.25 करोड़ लोगों के संपत्ति कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने कानूनी दस्तावेज प्राप्त करने के बाद अपनी संपत्ति के आधार पर बैंकों से ऋण लिया है तथा अपने गांवों में छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं। जिससे छोटे और मध्यम किसान परिवारों के लिए संपत्ति कार्ड आर्थिक सुरक्षा की गारंटी बन गए हैं। साथ ही, कानूनी प्रमाण पत्र मिलने से कई परिवार अवैध कब्जों और लंबे समय तक चलने वाले अदालती विवादों के संकट से मुक्त हो रहे हैं।

मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ग्राम स्वराज को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है और स्वामित्व योजना ने ग्राम विकास के नियोजन और क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने कहा कि संपत्ति कार्ड से भूमि स्वामित्व के विवादों का हल होने के साथ ही, पंचायत की भूमि और चरागाह क्षेत्रों की पहचान एवं आपदा प्रबंधन आसान हो जाएगा, जिससे ग्राम पंचायतें भी आर्थिक रूप से सशक्त बनेगी।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 2.5 करोड़ से अधिक परिवारों को बिजली, 10 करोड़ से अधिक शौचालय, 10 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन, पिछले पाँच वर्षों में 12 करोड़ से अधिक परिवारों को नल का पानी उपलब्ध कराया गया है एवं 1.5 लाख से अधिक आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, जिनमें से अधिकांश गांवों में है। उन्होंने कहा कि दशकों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे परिवार अब इन सुविधाओं के प्राथमिक लाभार्थी हैं। प्रधानमंत्री ने सुदूर सीमावर्ती गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं में गांव और गरीब को केन्द्र में रखकर आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है, क्योंकि गांवों के मजबूत व आत्मनिर्भर होने से ही देश आत्मनिर्भर एवं विकसित होगा। शर्मा ने कहा कि स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्ति के मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान किया जा रहा है, जिससे ग्राम सुशासन और सशक्तीकरण को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीणों को उनके अधिकार प्रदान करने की दिशा में यह दूरदर्शी कदम है, जिससे गांवों का समग्र विकास एवं ग्रामीण परिवारों का सशक्तीकरण सुनिश्चित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना पूरी तरह से वैज्ञानिक और पारदर्शी प्रक्रिया है, जो ग्रामीणों के लिए उनके संपत्ति के अधिकारों को सुनिश्चित करती है। इस योजना में ड्रोन तकनीक से गांव के आबादी क्षेत्र का सर्वेक्षण किया जाता है और डिजिटल मैप के आधार पर भू-स्वामित्व धारकों को स्वामित्व कार्ड और पट्टा दिया जाता है। इन संपत्ति कार्डों ने ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान कर उनके लिए ऋण लेना आसान बना दिया है, जिससे ग्रामीण नागरिक सशक्त हो रहे हैं। इस तरह यह योजना बेहतर सुशासन, वित्तीय समावेशन, महिला सशक्तीकरण और विवादों के समाधान में मददगार साबित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत 35 हजार 955 ग्रामों का ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा आज 1 लाख 50 हजार से अधिक कार्ड का वितरण किया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के हर गांव और ग्रामवासी तक इस योजना का लाभ पहुंचे और कोई भी वंचित नहीं रहे। इसी दिशा में राज्य सरकार द्वारा प्रशिक्षण और अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं तथा इन कार्यक्रमों में ग्राम पंचायतों के अधिकारियों, पटवारियों और अन्य स्थानीय कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है ताकि वे इस योजना के क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से भूमिका निभा सके। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में घुमंतू परिवारों को आवासीय पट्टे प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि इन परिवारों को अपना घर मिल सके।

फारूक अब्दुल्ला के काफिले की कार दुर्घटनाग्रस्त, दिल्ली पुलिस का हवलदार घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता फारूक अब्दुल्ला के काफिले की एक कार शुक्रवार को दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक नीलगाय से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसे में अब्दुल्ला की सुरक्षा में तैनात दिल्ली पुलिस के हवलदार पप्पूराम मीणा घायल हो गये। अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना शुक्रवार अपराह्न करीब पौने दो बजे भांडारेज में एक्सप्रेसवे से उतरने के लिए बने रास्ते के पास हुई।

अब्दुल्ला अजमेर जा रहे थे हालांकि वह एक अन्य वाहन में सवार थे। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में मीणा सहित चार पुलिसकर्मी सवार थे। सदर थाने के हवलदार अरविंद कुमार ने बताया, घायल पुलिसकर्मी को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार देकर छुट्टी दे दी गई।

उन्होंने बताया कि जैसे ही दुर्घटना हुई, अब्दुल्ला को ले जा रहे वाहन सहित अन्य वाहन रुक गए हालांकि सुरक्षा टीम के सदस्य काफिले के दूसरे वाहन में सवार होकर अजमेर के लिए रवाना हो गए। अजमेर में अब्दुल्ला ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जियारत की।

उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान की सलामती के लिए भी दुआ मांगी, जिन पर मुंबई में उनके घर पर चाकू से हमला हुआ था।

अब्दुल्ला ने अजमेर में संवाददाताओं से कहा, मैंने देश में अमन व भाईचारे और प्रगति के लिए तथा जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए दुआ मांगी। जम्मू कश्मीर के लोग 10 वर्ष से जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, उससे बाहर निकलें। उन्होंने कहा, मैंने सैफ अली खान के लिए भी दुआ मांगी, जिन पर हमला हुआ। शुक्र है कि उनकी जान बच गई और मैं दुआ करता हूं कि वह जल्द ठीक हो जाएं और हमारे देश में ऐसी चीजें न हों।

सबका साथ, सबका विकास ही राष्ट्र का सर्वोच्च लक्ष्य : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने शनिवार को तिरुपति में अखिल भारतीय भोई समाज के प्रथम राष्ट्रीय महाधिवेशन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भोई समाज नहीं भारतीय संस्कृति से जुड़ा वह समुदाय है जिसने राष्ट्र निर्माण में निंरतर महती भूमिका निभाई है।

उन्होंने समुद्र, खाड़ियों, नदियों, घाटियों, झीलों, झरनों आदि में मछली पकड़ उन्हें बाज़ार में बेचकर अपनी जीविका चलाने वाले इस समाज के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि रामायण और महाभारत काल से इस समुदाय ने अपने लिए नहीं सदा दूसरों के लिए कार्य किया है।

राज्यपाल ने भोई समाज को सहज, सरल और मन से भोला बताते हुए कहा कि जो जल जंगल और जमीन की रक्षा करते हैं, वह भोई है। उन्होंने भोई समुदाय को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए शिक्षा के अधिकाधिक प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के लिए समाज में जागरूकता होगी तभी केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भोई समाज ले सकेगा।

उन्होंने कहा कि कोई जाति बड़ी नहीं है और न ही कोई छोटी है। हमारे यहां वर्ण और जाति व्यवस्था इसलिए बनी कि जिसे जो काम रुचि का लगा, उसने वह करना प्रारंभ किया और उसी से उसकी बाद में पहचान बन गई। पर यह स्थाई व्यवस्था नहीं है। हमारी संस्कृति तो आरंभ से ही 'मनुर्भव' की रही है। पहले मनुष्य बनें, उसके बाद कुछ और बनें। जिसमें मानवता का भाव है, वही सबसे बड़ा है। भारत सबके लिए समान भाव रखने की समता में विश्वास रखने वाला देश है।

राज्यपाल ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' ही राष्ट्र का सर्वोच्च लक्ष्य है। इसलिए भोई समाज भी अपने अंदर व्याप्त कुरूतियों से बाहर निकलकर राष्ट्र विकास में सहभागी बनें। उन्होंने युवाओं को आगे आकर समाज विकास के लिए कार्य करने पर भी जोर दिया।

सर्द हवाओं के बीच कड़ाके की सर्दी जारी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित अनेक इलाकों में सर्द हवाओं के बीच कड़ाके की सर्दी जारी है। सिरोही में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा। इस दौरान कई जगह घने से अति घना कोहरा दर्ज किया गया। सर्द हवाओं और तापमान में गिरावट के कारण अनेक जगह शीत व अति शीत दिवस रहा। इस दौरान सिरोही में न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस, सीकर में 6.5 डिग्री, पिलानी में 6.7 डिग्री, संगरिया व अजमेर में 6.8 डिग्री, अलवर में 7.0 डिग्री, फतेहपुर व गंगानगर में 7.4 डिग्री, चूरू में 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जयपुर में न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केन्द्र के अनुसार 21-22 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के उत्तर-पश्चिमी व उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर निशाना साधा, बोले- 'हाथी के दांत दिखाने के और, खाने के और होते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने महाकुंभ के आयोजन पर भी प्रतिक्रिया दी। केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति और उनके नेतृत्व को लेकर अब वह बेनकाब हो चुके हैं। हिंदी में कहावत है कि 'हाथी के दांत दिखाने के और, खाने के और होते हैं'। उनका चाल चरित्र और चेहरा सबके सामने आ चुका है।

1954 की भगदड़ की घटना को तत्कालीन सरकार के दबाने के सवाल पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि 1954 की ही एक घटना नहीं है। आजादी के बाद से इमरजेंसी से लेकर 2014 तक इस पर ग्रंथ लिखे जा सकते हैं कि उन्होंने लोकतंत्र की कैसे हत्या की। इसके अलावा उन्होंने महाकुंभ के भव्य आयोजन को लेकर देशवासियों को बधाई थी। साथ ही कहा कि महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन में जिस तरह से व्यवस्थाएं की गई हैं, यह केस स्टडी की तरह आवश्यक है। 45 दिन के इस महाकुंभ के आयोजन में 45 करोड़ से ज्यादा लोग आ रहे हैं।

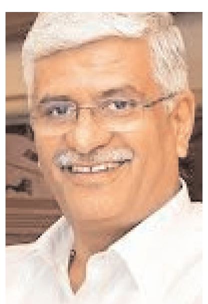

उन्होंने कहा कि पहले दिन पूर्णिमा और बाद में मकर संक्रांति के दिन, लगभग इन दो दिनों में पांच करोड़ लोगों ने महाकुंभ में स्नान किया है, लेकिन इसके साथ-साथ लगभग 15 लाख लोग महाकुंभ में पूरे 45 दिन तक रह करके कल्पवास कर रहे हैं। लगभग इतनी ही बड़ी संख्या साधुओं की है, जो पूरे 45 दिन तक लगभग यहां रहने वाले हैं। लगभग 15 लाख लोग ऐसे हैं जो सफाई कर्मचारी के रूप में विभिन्न व्यवस्थाओं को देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 50 लाख लोग महाकुंभ में स्थाई रूप से निवास कर रहे हैं। बाकी लोग आते हैं और स्नान करके चले जाते हैं। महाकुंभ का आयोजन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह से किया गया है वो निश्चित रूप से अनूठा है।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने आजादी के बाद पहले कुंभ का जिक्र करते हुए विपक्ष पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 2013 में कुंभ में भगदड़ मची थी और उस समय की तत्कालीन सरकार ने असंवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया था। आजादी के बाद में जब पहले कुंभ का आयोजन किया गया था, उस समय के कुंभ की व्यवस्थाओं को देखें तो तत्कालीन सरकार कुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर किस तरह से उदासीन थी। नेहरू जी के कुंभ में जाने के कारण लोगों ने लिखित रूप से रिपोर्ट किया है कि कुंभ में भगदड़ मची थी, जिसमें 1000 से ज्यादा लोग दिवंगत हुए थे। आज की सरकार हमारी विरासत और संस्कृति का संरक्षण करने वाली सरकार है। निश्चित रूप से इस बार के महाकुंभ की व्यवस्थाएं पहले से बहुत अच्छी और बेहतर हैं।

जोधपुर में 45 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता एवं 29 को स्वीकृति पत्र सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर के जेएनवीयू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 45 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता एवं 29 को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। नागरिकता पाने वाले सभी लोगों के चेहरे पर खुशी का ज्वार उमड़ता रहा और आँखों में प्रसन्नता के आँसू छलकते रहे। इस अवसर पर महापौर (दक्षिण) सुवनिता सेठ ने भारतीय नागरिकता पाने वाले सभी पाक विस्थापितों को बधाई देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने इन नागरिकों को विश्वास दिलाया कि नगर निगम उनके बेहतर भविष्य के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने प्रदेश में पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की दिशा में किए जा रहे सार्थक प्रयासों का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य सरकार सभी पाक विस्थापितों के अधिकारों और हितों के प्रति पूर्ण सजग है तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी संवेदनशीलता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन का सदैव यही प्रयास रहता है कि प्राप्त प्रकरणों को नियमानुसार शीघ्र निस्तारित कर हर संभव सुविधा मुहैया कराई जाए। इसके लिए सरकार हमेशा प्रतिबद्ध रही है।

जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने कहा कि यह 45 नागरिकों के साथ-साथ 45 संघर्ष की कहानियां भी हैं जिनमें प्रत्येक कहानी अपने आप में प्रेरणादायक है। उन्होंने संविधान प्रदत्त अधिकारों का बोध कराते हुए कहा कि अधिकारों के साथ अपने कर्त्तव्यों को भी पूरी जिम्मेदारी से निभाने के लिए हमेशा तत्पर रहें। कार्यक्रम में शिक्षा और व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं पर विशेष चर्चा की गई। ज़िला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने सभी पाक विस्तापित नागरिकों से उनकी समस्याएं पूछी और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। नागरिकों ने काम-धंधों में आ रही कठिनाइयों को प्रशासन के समक्ष रखा, जिसे गंभीरता से सुना गया और उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया गया।

विद्यालयों में अनिवार्य हो सूर्य नमस्कार, अधिकारी गांवों में करें रात्रि विश्राम : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

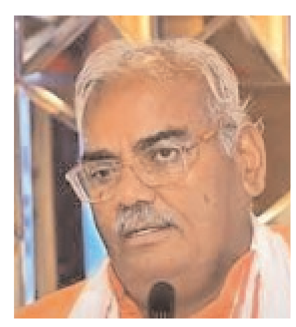

बूंदी। शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की और व्यापक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के विद्यालयों में अनिवार्य रूप से सूर्य नमस्कार का आयोजन हो इसकी सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाएं।

मंत्री दिलावर ने निर्देश दिए कि अधिकारी हर महीने चार दिन गांवों में रात्रि विश्राम करें और ग्रामीणजनों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करें। उन्होंने कहा कि एक ही गांव में बार-बार रात्रि विश्राम नहीं किया जाए और शाम 6 से सुबह 6 बजे तक की अवधि में ग्रामीण समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो। बैठक में ग्रामीण विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

बैठक में गांवों में नालियों की नियमित सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। साथ ही राजस्थान को प्लास्टिक मुक्त बनाने के तहत गांवों में जागरूकता अभियान चलाने और पॉलीथीन उत्पादन रोकने को लेकर आवश्यक कदम उठाए जाने के लिए निर्देशित किया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हर 150-200 पौधों पर एक केयरटेकर नियुक्त करने और नष्ट पौधों के स्थान पर नए पौधे लगाने के निर्देश दिए गए।

दिलावर ने कहा कि घुमंतू परिवारों को बसंत पंचमी पर पट्टे वितरण के लिए शिविर आयोजित किए जाएं। साथ ही गांवों में रात्रि चौपाल का रिकॉर्ड रखा जाए और समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। बैठक में पूर्व विधायक अशोक डोगरा, जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा, जिला प्रमुख चंद्रावती कंवर, नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को राहत देने पर जोर दिया।

स्वामित्व योजना-ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण की ऐतिहासिक पहल : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। जिले में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण और प्रॉपर्टी कार्ड वितरण कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने इसे ग्रामीण भारत के लिए सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। कर्नल राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह योजना न केवल संपत्ति पर कानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, बल्कि आर्थिक प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त करती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि इस योजना का अधिकतम लाभ उठाकर अपने गांव और देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें।

ड्रोन और आधुनिक तकनीकों से गांवों का सर्वेक्षण कर डिजिटल रिकॉर्ड बनाए गए हैं, जिससे संपत्ति विवादों में कमी आएगी और ग्रामीण अपने दस्तावेज़ों के जरिए बैंकों से लोन प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक मील का पत्थर है।

स्वामित्व योजना के तहत 3.17 लाख गांवों को तकनीक के जरिये कवर किया गया : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि स्वामित्व संपत्ति कार्ड का वितरण और अन्य पहलें जनता को सशक्त करने के प्रति नरेन्द्र मोदी सरकार के संकल्प को रेखांकित करती हैं। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के तहत 3.17 लाख गांवों को तकनीकी की मदद से कवर किया गया और आज 1.53 लाख किसानों को संपत्ति का अधिकार दिया जाएगा। अहमदाबाद में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और राज्यपाल आचार्य देवव्रत के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वामित्व कार्ड वितरण कार्यक्रम में नड्डा ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आम आदमी के सशक्तीकरण को बहुत महत्व दिया गया है। मोदी सरकार ने हमेशा लोगों को प्राथमिकता दी है और यह सुनिश्चित किया है कि हमें आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए कैसे काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरित किए। नड्डा ने कहा कि इससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और गरीबी कम होगी। ये संपत्ति कार्ड 10 राज्यों – छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मप्र, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, उप्र, राजस्थान और दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के 50,000 गांवों में लाभार्थियों को वितरित किए जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, जब मैं सशक्तीकरण के बारे में बात करता हूं, तो जोर गांवों, गरीबों, वंचितों, पीड़ितों, शोषितों, दलितों, युवाओं और किसानों पर होता है। सभी कार्यक्रमों की योजना इन वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए बनाई गई थी। कल्याणकारी उपायों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र का अक्षरशः पालन किया गया।

उत्तर प्रदेश: भड़काऊ पोस्ट करने के लिए इमाम गिरफ्तार

बरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली में पुलिस ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला पोस्ट करने के मामले में एक मस्जिद के इमाम को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, घटना जिले के मीरगंज थानाक्षेत्र की है, जहां आरोपी द्वारा 'फेसबुक' पर किया गया एक पोस्ट वायरल हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पोस्ट में हिंदू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

इस पोस्ट के वायरल होने के बाद हिंदू समुदाय के लोगों में आक्रोश फैल गया। एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई कि यह पोस्ट आरोपी शरीफ अहमद ने अपनी फेसबुक आईडी से की थी।

पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने और समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने के तहत मुकदमा दर्ज किया। अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि मीरगंज थाने में इमाम के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

नौकरियों की कमी, सीमा विवाद ऐसे मुद्दे जिन्हें विकसित भारत के लिए सुलझाना होगा : उप सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने कहा कि पर्याप्त रोजगार अवसरों की कमी, अनसुलझी सीमा का मुद्दा और मानव विकास सूचकांक में स्थिति कुछ ऐसी कमजोरियां हैं, जिन्हें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए दूर करने की जरूरत है।

सूरत साहित्य महोत्सव-2025 में शुक्रवार को ''राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत ऐट 2047'' विषय पर अपने विचार रखते हुए लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने कहा कि 2047 के भारत को अपनी प्रतिक्रिया प्रणाली को एकीकृत करना चाहिए, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में अपनी आंतरिक समस्याओं के साथ ही वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का भी समाधान करना चाहिए, ताकि सामाजिक और सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा, हमारी ताकत हमारी भौगोलिक स्थिति, युवा, स्थिर आर्थिक विकास और सेवा क्षेत्र - फार्मा और आईटी- हैं, जो प्रगति कर रहे हैं। हमारी कमजोरियां क्या हैं? पहली, जलवायु परिवर्तन; दूसरी, हमारा विनिर्माण क्षेत्र मजबूत नहीं है; तीसरी, हमारे पास रोजगार के उतने अवसर नहीं हैं। हमारी सीमा, चाहे चीन के साथ हो या पाकिस्तान के साथ, अभी तक वहां स्थिरता नहीं आई है। हमें मानव विकास सूचकांक में सुधार करने की जरूरत है। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने कहा, समाज में आंतरिक संघर्षों पर काम करना, तनाव कम करना और विकास की दिशा में आगे बढ़ना हमारी जिम्मेदारी है।

एक साथ चुनाव संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं : कानून मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं है और ऐसा करने से शासन बेहतर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' का विरोध करने वाले लोग राजनीतिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं।

मेघवाल ने 'पीटीआई-वीडियो' को दिए साक्षात्कार में कहा कि 1952 से लोकसभा और विधानसभाओं के कुछ चुनाव एक साथ हुए थे। उन्होंने कहा कि अगर यह संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं था, तो अब यह (संघवाद के लिए) कैसे सही नहीं रहेगा।

मेघवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव संबंधी विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चाहते हैं कि सदन की एक समिति मसौदा कानूनों की पड़ताल करे।

संयुक्त समिति की पहली बैठक में विधायी विभाग के सचिव राजीव मणि ने सदस्यों को एक साथ चुनाव के विभिन्न पहलुओं और इन चुनावों के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। कानून मंत्री ने कहा, अब सबसे बड़ा आरोप जो वे (एक देश, एक चुनाव का विरोध करने वाले) लगा रहे हैं, वह यह है कि ऐसा करना संघीय ढांचे के खिलाफ होगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि 1952 में चुनाव हुए थे, सभी विधानसभाओं के चुनाव भी एक साथ हुए थे। उन्होंने कहा, 1957 में चुनाव हुए थे, 1962 में चुनाव भी एक साथ हुए थे। 1967 के चुनाव भी एक साथ हुए थे...अब यह (संघीय ढांचे के लिए) नुकसानदेह कैसे होगा?''

मेघवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव होने से सुशासन और तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता के कारण समय-समय पर जो कठिनाइयां आती हैं, उनका समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में विपक्षी सदस्यों को एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, लोकसभा के गठन की तिथि के बारे में भी उन्हें बताया गया है, वे सब कुछ समझ गए हैं। कानून मंत्री ने दावा किया, ...अगर कोई इसका विरोध कर रहा है, तो वे राजनीतिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं।

कोहली ने रणजी ट्रॉफी मैच से बाहर रहने का फैसला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने जिस दिन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुंबई के अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की, उसी दिन मेगास्टार विराट कोहली ने संकेत दिया कि गर्दन में हल्की चोट के कारण वह राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के मैच में नहीं खेल पाएंगे। रणजी ट्रॉफी का मैच 23 जनवरी से शुरू होगा।

दिल्ली चयन समिति ने शुरू में 22 सदस्यीय संभावित टीम चुनी थी और कोहली की भागीदारी उपलब्धता पर निर्भर थी।

केपी भास्कर की अध्यक्षता वाले पैनल ने शुक्रवार को टीम का चयन किया लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे जारी नहीं किया गया क्योंकि दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली स्टार बल्लेबाज की उपलब्धता की पुष्टि का इंतजार कर रहे थे। डीडीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, कोहली को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट के दौरान गर्दन में हल्की चोट के कारण आराम करने की सलाह दी गई है। वह सौराष्ट्र के मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली का आखिरी लीग मैच रेलवे के खिलाफ है, हम अभी इसके बारे में निश्चित नहीं हैं। कोहली ने आखिरी बार रणजी ट्रॉफी मैच 2012 में गाजियाबाद के मोहन नगर में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था।

वहीं महान सचिन तेंदुलकर ने अपना अंतिम रणजी मैच 2013 में हरियाणा के खिलाफ लाहली में खेला था। बीसीसीआई द्वारा रणजी ट्रॉफी में भागीदारी अनिवार्य किए जाने के बाद सभी स्टार बल्लेबाजों में से केवल कोहली और केएल राहुल (कोहनी की चोट के कारण कर्नाटक के लिए) ही नहीं खेल रहे हैं।

सरकार बजट सत्र में नया आयकर विधेयक कर सकती है पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार संसद के आगामी बजट सत्र में एक नया आयकर विधेयक पेश कर सकती है, जिसका उद्देश्य वर्तमान आयकर कानून को सरल बनाना, उसे समझने योग्य बनाना तथा पृष्ठों की संख्या में लगभग 60 प्रतिशत की कमी करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के बजट में छह महीने के भीतर छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा की थी।

एक सूत्र ने कहा, नया आयकर कानून संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा कानून में संशोधन। वर्तमान में, कानून के मसौदे पर विधि मंत्रालय विचार कर रहा है और बजट सत्र के दूसरे भाग में इसे संसद में पेश किया जा सकता है। बजट सत्र 31 जनवरी से चार अप्रैल तक चलेगा। पहला भाग (31 जनवरी-13 फरवरी) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्य सभा के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। संसद 10 मार्च को पुनः आरंभ होगी और चार अप्रैल तक चलेगी।

आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा के लिए सीतारमण द्वारा बजट घोषणा के बाद सीबीडीटी ने समीक्षा की देखरेख करने और अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति का गठन किया था। इससे विवाद, मुकदमेबाजी कम होगी और करदाताओं को अधिक कर निश्चितता मिलेगी। इसके अलावा, अधिनियम के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा के लिए 22 विशेष उप-समितियां स्थापित की गई हैं। चार श्रेणियों – भाषा का सरलीकरण, मुकदमेबाजी में कमी, अनुपालन में कमी, तथा अनावश्यक/अप्रचलित प्रावधान में जनता से सुझाव और सूचनाएं आमंत्रित की गईं। आयकर विभाग को अधिनियम की समीक्षा के लिए हितधारकों से 6,500 सुझाव प्राप्त हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रावधानों और अध्यायों में उल्लेखनीय कमी की जाएगी तथा अप्रचलित प्रावधानों को हटाया जाएगा। व्यक्तिगत आयकर, कॉरपोरेट कर, प्रतिभूति लेनदेन कर जैसे प्रत्यक्ष करों के अलावा उपहार और संपत्ति कर के अधिरोपण से संबंधित आयकर अधिनियम, 1961 में वर्तमान में लगभग 298 धाराएं और 23 अध्याय हैं। सूत्र ने कहा, प्रयास यह है कि कर की मात्रा में लगभग 60 प्रतिशत की कटौती की जाए।

सीतारमण ने जुलाई, 2024 के अपने बजट भाषण में कहा था कि समीक्षा का उद्देश्य अधिनियम को संक्षिप्त, सुस्पष्ट, पढ़ने और समझने में आसान बनाना है। उन्होंने कहा था कि इससे विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी, जिससे करदाताओं को कर निश्चितता मिलेगी। इससे मुकदमेबाजी में उलझी मांग में भी कमी आएगी। इसे छह महीने में पूरा करने का प्रस्ताव है।

पटना में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना के दौरे के क्रम में शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ''संविधान सुरक्षा सम्मेलन'' के आयोजन स्थल के लिए रवाना होने से पहले शहर के एक होटल में पहुंचे थे। इसी होटल में राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक है। यादव अपने पिता और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव तथा अपने परिवार के अन्य सदस्यों तथा पार्टी के अन्य नेताओं के साथ इस होटल के एक हॉल में बैठे थे, तभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अपने नेता के पक्ष में नारे लगाने पर राजद नेता गेट की ओर बढ़े और पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के बाद बिहार के पहले दौरे पर आए गांधी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस संक्षिप्त मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को अलविदा कहा और वहां से रवाना हो गए।

बिहार: गोपालगंज में 53 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपालगंज/भाषा। बिहार के गोपालगंज जिले में 53 से अधिक पुलिस अधिकारियों पर स्थानांतरण के बाद भी उनके स्थान पर आने वाले अधिकारी को केस फाइल नहीं सौंपने, कई मामलों की जांच में बाधा डालने के आरोप में मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के मुताबिक, जिले के चार थानों में 53 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। दीक्षित ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया कि अगर वे अगले एक सप्ताह में मामलों को सौंपने में विफल रहते हैं, तो उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही भी शुरू की जाएगी।

जिला पुलिस से जुड़े सूत्रों ने कहा कि यह पाया गया कि कई मामलों में जांच लटकी हुई है क्योंकि तत्कालीन जांच अधिकारियों (कुल 53) का तबादला हो गया और उन्होंने फाइलें अन्य अधिकारी को नहीं सौंपीं। सभी 53 पुलिस अधिकारियों पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इससे पहले मुजफ्फरपुर जिले में 134 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ उनके नए पदभार ग्रहण करने वाले स्थानों पर दस्तावेज ले जाने, 900 से अधिक मामलों की जांच में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

ओडिशा: सिंगापुर के राष्ट्रपति षणमुगरत्नम पुरी के 'शिल्पग्राम' और कोणार्क मंदिर पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम ने शनिवार को ओडिशा के पुरी जिले में 'शिल्पग्राम' के रूप में मशहूर रघुराजपुर और कोणार्क के सूर्य मंदिर का दौरा किया।

षणमुगरत्नम अपनी पत्नी के साथ रघुराजपुर गांव में एक घंटे से अधिक समय तक रहे और दो पट्टचित्र पेंटिंग खरीदीं, जिनमें से एक रामायण और दूसरी भगवान गणेश पर आधारित थी। उन्होंने शिल्पकारों से बातचीत की, पेंटिंग देखीं और अनूठी पट्टचित्र कला बनाने की बारीकियां जानीं।

रघुराजपुर शिल्पकार समिति के सदस्य एवं शिल्पकार प्रशांत कुमार ने कहा, सिंगापुर के राष्ट्रपति ने पट्टचित्र कला के इतिहास और उत्पत्ति के बारे में जाना और यह भी जाना कि हम इस तरह की कलाकृति कैसे बनाते हैं। रघुराजपुर गांव के कलाकार आयुष महापात्रा ने पुरी जगन्नाथ मंदिर की पृष्ठभूमि में षणमुगरत्नम और उनकी पत्नी की एक पेंटिंग भेंट की। महापात्रा ने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि राष्ट्रपति ने मुझसे पेंटिंग ली। ओडिशा के पुरी जिले में रघुराजपुर अपने पट्टचित्र, ताड़ के पत्तों पर नक्काशी और अन्य प्रकार के पारंपरिक शिल्प के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। गांव का हर घर ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक दीर्घा जैसा है। बाद में, षणमुगरत्नम कोणार्क में 13वीं सदी के सूर्य मंदिर पहुंचे, जहां राज्य सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अधिकारी ने कहा, सिंगापुर के राष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर, अन्य पर्यटकों को अपराह्न 12 बजे तक मंदिर में जाने की अनुमति नहीं दी गई।

बैटरी उत्पादकों ने दायित्व पूरे न किए तो लगेगा जुर्माना: अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्धारित दायित्वों को पूरा न करने वाले उत्पादकों पर वित्तीय जुर्माना लगाए जाने से बैटरी का दोबारा इस्तेमाल करने वालों को प्रोत्साहन मिलेगा और उनकी लाभप्रदता बढ़ेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह बात कही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के निदेशक वी पी यादव ने यहां 'इंडिया बैटरी रीसाइक्लिंग एंड रीयूज समिट 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि निर्धारित दायित्वों को पूरा न करने वाले बैटरी उत्पादकों पर जुर्माना लगाने की व्यवस्था तैयार कर ली गई है।

यादव ने कहा, इस आर्थिक दंड से आखिरकार बैटरी दोबारा इस्तेमाल करने वालों को ही लाभ होगा, क्योंकि वे क्रेडिट उत्पन्न करते हैं जो मुआवजे के बदले उत्पादकों को हस्तांतरित किए जाते हैं। उद्योग निकाय इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस की तरफ से आयोजित शिखर सम्मेलन में यादव ने कहा, हम बैटरी का नए सिरे से इस्तेमाल करने वालों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं क्योंकि हम समझते हैं कि लाभप्रदता के बिना पुनर्चक्रण का कारोबार आगे नहीं बढ़ेगा। हमारे प्रयास आर्थिक कारकों से प्रेरित हैं।

ओडिशा: सीमेंट संयंत्र के परिसर में ढही लोहे की संरचना के मलबे से तीन मजदूरों के शव बरामद

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक सीमेंट संयंत्र के परिसर में ढही लोहे की संरचना के मलबे से शनिवार को 36 घंटे के बचाव अभियान के बाद तीन लापता मजदूरों के शव बरामद किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सुशांत राउत (58), रंजीत भोल (24) और दशरथ पात्रा (42) के रूप में हुई है, जिन्हें राजगांगपुर स्थित कैप्टिव पावर प्लांट में एक ठेकेदार ने काम पर रखा था। पश्चिमी रेंज (राउरकेला) के पुलिस उप महानिरीक्षक बृजेश कुमार राय ने बताया कि कोल हॉपर (बड़ी मात्रा में कोयला भंडारण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक बड़ा लोहे का ढांचा) ढह जाने के बाद श्रमिक उसमें फंस गए थे। कंपनी ने पहले एक बयान में कहा था कि कोल हॉपर का संचालन डालमिया सीमेंट द्वारा नियुक्त एक तीसरे पक्ष के विक्रेता द्वारा किया जा रहा था।

केजरीवाल ने पुलिस पर वृत्तचित्र का प्रदर्शन रोकने का आरोप लगाया, पुलिस ने एमसीसी का हवाला दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने उनकी पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी के पीछे के 'रहस्यों' और 'षड्यंत्रों' को उजागर करने वाले एक वृत्तचित्र के प्रदर्शन को रोक दिया।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पांच जनवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दिल्ली में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बावजूद इस वृत्तचित्र प्रदर्शन कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं ली गई थी। केजरीवाल ने सवाल उठाया कि वृत्तचित्र के निजी प्रदर्शन के लिए अनुमति की क्या जरूरत थी। उन्होंने यहां एक प्रेसवार्ता में कहा कि वृत्तचित्र 'अनब्रेकेबल' निजी कार्यक्रम में मीडिया को दिखाया जाना था और यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था। केजरीवाल ने कहा, इस कार्यक्रम में न तो वोट मांगे जाने थे और न ही किसी पार्टी के खिलाफ कुछ कहा जाना था। आप संयोजक ने आईटीओ स्थित प्यारेलाल भवन पर इस वृत्तचित्र के प्रदर्शन के आयोजन स्थल की तस्वीर साझा की जिसमें भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती नजर आयी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने भाजपा के इशारे पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी।

रोहित ने संकेत दिया, खिलाड़ियों को 10 सूत्री निर्देश पर कुछ संदेह, बीसीसीआई से मुद्दे पर चर्चा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा तैयार किए गए 10 सूत्री अनुशासनात्मक दिशा-निर्देशों में कुछ नियमों पर रोहित शर्मा को असमंजस है और भारतीय कप्तान इस मुद्दे पर बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया से चर्चा करने वाले हैं।

बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर दिशा-निर्देशों की घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया की खबरों में ये 10 सूत्री निर्देश सामने आ चुके हैं। नीति दस्तावेज में एक मुख्य विवाद पुराने दिनों की ओर लौटना है जब परिवारों को लंबे दौरों पर केवल 14 दिन के लिए अनुमति दी जाती थी। किसी भी बदलाव के लिए कोच गंभीर की मंजूरी की आवश्यकता होगी। यह समझा जाता है कि यह नियम टीम के खिलाड़ियों को अच्छा नहीं लगा है।

प्रेस कांफ्रेंस शुरू होने से पहले जब रोहित चयनकर्ताओं के अध्यक्ष अजीत अगरकर के पास बैठे थे तो उन्हें मुंबई के अपने पूर्व साथी से यह कहते हुए सुना गया, अब मेरे को बैठना पड़ेगा सचिव के साथ। फैमिली-वैमिली का डिस्कस करने के लिए, सब मेरे को बोल रहे हैं यार। हर कोई (खिलाड़ी) मुझसे पूछ रहा है। रोहित की टिप्पणी मीडिया के लिए नहीं थी लेकिन यह 'माइक्रोफोन' में रिकॉर्ड हो गई जिसका मतलब समझना मुश्किल नहीं था। जब रोहित ने दिशा-निर्देशों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, आपको इन नियमों के बारे में किसने बताया? क्या यह बीसीसीआई के आधिकारिक हैंडल से आया है? इसे आधिकारिक तौर पर आने दें।

रोहित ने मुंबई के अगले रणजी मैच के लिए उपलब्धता की पुष्टि की

मुंबई/भाषा। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुंबई के अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की शनिवार को पुष्टि की लेकिन घरेलू मैचों में स्टार खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के व्यस्त कार्यक्रम से खिलाड़ियों के लिए समय निकालना मुश्किल है।

रोहित ने यह भी कहा कि कोई भी खिलाड़ी शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता को हल्के में नहीं लेता है। रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण 23 जनवरी से शुरू हो रहा है। मुंबई की टीम यहां के एमसीए-बीकेसी ग्राउंड में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेलेगी। रोहित ने कहा, पिछले छह सात वर्षों से अगर आप हमारे कैलेंडर को देखें तो ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम 45 दिनों तक घर बैठे रहे हों।

सुविचार

कम्पस की चुंबकीय सुई हमेशा उत्तर दिशा की ओर इशारा करती है और इसकी वजह से पानी का जहाज आगे बढ़ते हुए अपनी दिशा से नहीं भटकता।

ट्वीट

आज माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष उपस्थिति में स्वामित्व योजनान्तर्गत स्वामित्व कार्ड एवं पट्टा वितरण कार्यक्रम में बूंदी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की व माननीय प्रधानमंत्री जी का ओजस्वी मार्गदर्शन मार्गदर्शन प्राप्त किया।

-मदन दिलावर

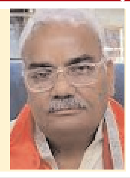

जयपुर में राजस्थान सोलर एसोसिएशन द्वारा आयोजित भारत सोलर एक्सपो के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया। अक्षय ऊर्जा को निरन्तर मिल रहे प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप आज राजस्थान इस क्षेत्र में नेतृत्व कर रहा है।

-ओम बिरला

कहानी

नहान

अरुण प्रकाश

मैं जब उस मकान में नया पड़ोसी बना तो मकान मालिक ने हिदायत दी थी – ''बस तुम नहान से बच कर रहना। उसके मुंह नहीं लगना। कुछ भी बोले तो ज़ुबान मत खोलना। नहान ज़ुबान की तेज़ है। इस मकान में कोई 18 सालों से रहती है। उसे नहाने की बीमारी है। सवेरे, दोपहर, शाम, रात। चार बार नहाती है। बाथरूम एक है। इसलिये बाकी पांच किरायेदार उससे चिढ़ते हैं। उसे नहान कह कर बुलाते हैं। वैसे वह अच्छी है। बहुत साफ सफाई से रहती है।'' मैं ने मकान मालिक की बात गांठ बांध ली।

मैं ने सोचा मुझे नहान से क्या लेना देना! मुझे कितनी देर कमरे पर रहना है? दस बजे ट्रांसपोर्ट कंपनी के दफ्तर जाऊंगा फिर दस बजे रात में उधर ही से खाना खाकर लौटा करूंगा। मेरा परिवार गांव में रहता है। वहां मेरे माता पिता, पत्नी और दो बच्चे हैं। थोड़ी सी खेती बाड़ी है जिसके लिये हर महीने गांव का एक चक्कर लगाता हूं। ट्रान्सपोर्ट कंपनी में कॉमर्शियल क्लर्क की नौकरी है। दिन भर माल लदवाओ, उतरवाओ। बिल्टी देखकर माल पार्टी के हवाले करो। छ: बजे ऑफिस बन्द होना चाहिये। पर कमरे पर आकर करूंगा क्या? परिवार साथ रहता तो बात और थी। कमरे में अकेले पड़े रहने का क्या मतलब? इसीलिये दस बजे रात से पहले कमरे पर लौटने का सवाल ही नहीं था। कमरे में सामान जमाने के बाद मैं नहान से मिला। इतवार को मेरी छुट्टी होती थी। उस दिन मैं अपने गंदे कपड़े धोया करता। नल या बाथरूम को लेकर ही नहान से टकराव हो सकता था। इसलिये मैं कपड़े धोने के पहले ही नहान से पूछने चला गया – ''बाथरूम का कोई काम तो नहीं है? मैं अपने कपड़े धो लूं?''

आगे भी मैं उससे नियमित अनुमति मांगता रहा। इसके चलते नहान की कृपा मुझ पर रहती। वह मुझसे कहा करती, ''कभी कोई तकलीफ हो, कोई ज़रूरत हो तो बता देना।'' मैं कभी कभी छोटी मोटी चीजें उधार मांग लेता – जैसे किरासन तेल, मोमबत्ती, माचिस, इस्त्री। पर अलावा कोई और पड़ोसी नहान के कमरे की तरफ झांकता तक न था।

नहान उसका असली नाम नहीं था। नहान शब्द किसी स्त्री का नाम होगा, यह सोचकर ही अटपटा लगता था। लेकिन अटपटापन उत्सुकता तो पैदा कर ही देता है। मेरे मन में यह सवाल कुलबुलाता रहा। इसलिये नहान के बारे में जो सूचना सहज ही मिल जाती, मैं उसे अपनी स्मृति के खज़ाने में डाल लेता। मैं चाहता तो उसके बारे में पड़ोसियों से पूछताछ कर सकता था। लेकिन मैं उस मकान में नया था। उस मकान में कुल छ: बड़े बड़े कमरे थे एक कतार में बने। उन्हीं में से एक कमरे में नहान अपने पति सूरज के साथ रहती थी। सूरज एक ढाबे में कारीगर था। कारीगर यानि बावर्ची। दिन में दस बजे काम पर जाता तो रात में बारह बजे लौटता। सुबह में देर तक सोता रहता। उसके पास नहान के लिये फुरसत नहीं थी।

नहान को भी फुरसत कहां थी? वह भी पति के जाने के बाद चूड़ियों की टोकरी उठा सरकारी कॉलोनी चली जाती। उसकी टोकरी में रंग बिरंगी सस्ती चूड़ियां होती। हर तरह की कलाई में फिट आने वाली चूड़ियां। कांच और प्लास्टिक की चूड़ियां। नहान कॉलोनी में जब पहुंचती तो वहां की औरतें फुरसत में होती। पति काम पर और बच्चे स्कूल। नहान अपने महीन मगर तेज़ सुर में आवाज़ लगाती – ''चूड़ियां रंग बिरंगी चूड़ियां।'' अगर टेर के बाद भी दरवाज़ा नहीं खुलता तो वह बेहिचक कॉलबेल दबा देती। पिछले कई सालों से वह इस कॉलोनी में फेरा लगाती थी इसलिये उसे सब जानते थे। कई औरतें नहान को खुद ही बुला लेतीं। कुछ खरीदतीं, कुछ सिर्फ चूड़ियों को देखतीं, खरीदने की इच्छा दबातीं और मंहगाई का रोना रोतीं।

नहान को मैं ने अपने एक परिचित के यहां चूड़ी बेचते देखा था। हम बैठक में थे। गृहस्वामिनी ने दरवाजे के पास गलियारे में नहान को बिठा रखा था। नहान गृहस्वामिनी को चूड़ियों की किस्में दिखलाती जा रही थी – ''बुंदकी, खिरकिया, झरोखनी, चंदा – तारा, सूरजमुखी... लोकतारनी। अच्छा ये पसंद नहीं आयी तो सादी चूड़ियां ले लो। आपकी गोरी कलाइयों पे ये ऊदी रंग खूब फबेगा... थोड़ा लाल और थोड़ा काला मिला कर ऊदी रंग बने बीबीजी... सात का जोड़ा डलवा लो... येल्लो! बगैर कंगन के कहीं सादी चूड़ियां फबती हैं? दोनों कलाइयों के लिये चार कंगन तो चाहिये। आगे पीछे एक एक कंगन तभी तो कांच की चूड़ियां टूटने से बचेंगी... आप पैसे की मत सोचो। पैसा नहीं है तो सिर्फ बोहनी कर दो। बाकि अगले चक्कर में दे देना। तीस रूपए होते हैं। अभी दस दे दो। बीस हम फिर ले लेंगे।'' गृहस्वामिनी ने चूड़ियां पहन लीं। नहान को दस रूपए देकर जब वह जाने लगी तब नहान बोली, ''बीबीजी, असीस की चूड़ी तो पहनती जाओ।'' गृहस्वामिनी ने कलाई झट आगे बढ़ा दी। भूलसुधार के लिए। नहान ने उनकी बांई – दांई कलाई में एक एक और चूड़ी डाल दी। गृहस्वामिनी झुकीं, चूड़ियों की झोरी से अपने माथे को लगाया। नहान बोली, ''सुहाग बना रहे बीबी जी!'' नहान आवाज़ लगाती निकल गई।

लेकिन मन में सवाल कुलबुलाता रहा – असीस की जोड़ी क्या है? इन दो चूड़ी के लिए उसने पैसे क्यों नहीं लिए? शायद यह कोई रिवाज़ होगा। इतनी व्यवहार कुशल माला को नहान क्यों कहते हैं? इसके बाल – बच्चे हैं नहीं? इसका पति पांच हज़ार तक कमा लेता है। इस रकम में दो लोगों की गृहस्थी आराम से चल सकती है। फिर यह चूड़ी की टोकरी क्यों उठाए फिरती है?

इसका शरीर स्वस्थ है, मन से दमित नहीं है फिर भी यह बार बार क्यों नहाती है? उसकी नहाने की आदत से सब परेशान थे। सबको नहाना धोना होता था। बच्चों को नहा धोकर स्कूल जाना था, बच्चों को काम पर। नहान के चलते सबका रूटीन बिगड़ जाता। चार बार तो वह नहाती ही थी। इसके अलावा वह कभी भी नहाने पहुंच जाती। बाथरूम में कोई होता तो वह दरवाज़ा पीट पीट कर परेशान कर देती। लेकिन जब वह खुद बाथरूम में होती और कोई दरवाज़ा पीटता तो जोर जोर से गालियां देती बाहर निकलती और मकान झगड़े के शोरगुल से भर जाता।

मैं जितना पड़ोस में घुलता मिलता गया, नहान के बारे में नई नई सूचनाएं जुड़ती गयीं। णहान सुंदरी थी। उसकी चिकनी सांवली त्वचा के अम्दर से गोरा रंग फूटा पड़ता था। इससे उसकी सांवली त्वचा दमकती। वह कोई पैंतीस साल की होगी। लेकिन रोज रोज के शारीरिक श्रम ने देह की तराश को बनाए रखा था। बदन में फालतू चर्बी कहीं नहीं थी। बड़ी बड़ी कनपटी तक फैली आंखें। घोल चेहरे पर छोटी सी नाक बेडौल लगती थी पर पूरे चेहरे का अक्स ऐसा था कि उसे भूलना असंभव था। जूड़े को लटकाने के बजाय वह ऊपर की ओर बांध कर हेयरपिन लगाती जिससे उसकी सुतवां गर्दन और उजागर हो जाती। वह सजने संवरने के लिये वैसा जूड़ा नहीं बांधती। बस माथे पर टोकरी उठाने में सुभीता रहे। हां, उसके होंठों पर पान की लाली हमेशा रहती। पान खाने का शौक उसे अपने पति से मिला था। भट्ठी के पास खड़े खड़े उसका गला सूखता इसलिये उसने पान खाने की आदत डाल ली थी।

नहान अपने पति को सांवरे कहकर बुलाया करती। सांवरे यानि सांवरे कृष्ण। कृष्ण जैसा प्रेमी पाने की चाहत लोक जीवन में कई प्रकार से अभिव्यक्त होती रही है। इसी तरह पति को सांवरे कहकर बुलाने का चलन निकाला होगा। उसका पति सूरज सांवला तो था पर कृष्ण वाली कोई चमक उसमें नहीं थी। उलटे वह मनहूस था। काम से लौटता, दारू पीकर सो जाता। पड़ोसी बताते थे कि नहान भी पीने में उसका साथ देती है। खैर हम पड़ोसी महीन महीन बाद सूरज का चेहरा देख पाते थे। उस निहायत ही सादे मर्द में एक खास बात थी। नहान के कोई बच्चा नहीं था, फिर भी सूरज ने उसे कभी इसका ताना नहीं दिया, न दूसरी शादी की बात चलायी। और तो और उसने कोई बच्चा भी गोद नहीं लिया।

एक पड़ोसी ने सूरज से बच्चा गोद लेने की बात छेड़ी तो उसने पान चबाते हुए कहा था, ''अभी तो हम दोनों कमाते हैं। पोस्ट ऑफिस के खाते में काफी कुछ जोड़ कर रखा है। एक बीमार भी हो गया तो दूसरे की कमाई से काम चल जायेगा। चिड़िया के बच्चे उसके पास हमेशा कहां रहते हैं? बच्चा गोद लेकर क्या होगा? दूसरी शादी मैं क्यों करूं? ऐसी बीवी मुझे सात जनम न मिलेगी...''

एक दिन एक तांत्रिक आया। उसके काले चोंगे की आस्तीन का कपड़ा हाथ के ऊपर उठाते ही लहराने लगता और उसकी मुट्ठी में कभी चॉकलेट तो कभी काजू प्रकट हो जाता। इस हाथ की सफाई का जादू हमारे मकान की औरतों पर चल गया। मुरादों की गठरी तांत्रिक के सामने खोली जाने लगी। नहान चूड़ी बेच कर लौटी थी। एक पड़ोसन ने तांत्रिक से कह दिया, ''इसका कोई जतन कर दो महाराज! इसकी कोख हरियाती नहीं। जे बांझ है।'' बांझ शब्द सुनते ही नहान बिफर पड़ी और पड़ोसन को एक झापड़ लगा दिया। ''जो मुझे फिर बांझ कहा तो तेरी ज़बान कतर दूंगी। मैं जनम से बांझ नहीं हूं।'' पड़ोसनों को सांप सूंघ गया। वे अब तक नहान को बांझ समझ रही थीं। बांझ न होने की बात जानकर किसिम किसम के संदेह और अनुमान का सिलसिला चल निकला।बहरहाल, निष्कर्ष यह निकला कि खोट सूरज में है, वरना नहान के गर्भ क्यों नहीं ठहरता?

पड़ोस में सब नहान की पीठ पीछे उसके बारे में सूचना देने को उत्सुक रहते थे। बस नंदू ड्राईवर नहान का नाम लेते ही मुंह सी लिया करता। नंदू क्रेन चलाता था।हाईवे पर कोई ट्रक, कार पलटती तो नंदू क्रेन ले जाकर उसे खींचता और गैराज तक पहुंचा देता। उसके काम का कोई समय बंधा न था। अकेला रहता था। उसका कोई परिवार नहीं था। नंदू रात में दारू चढ़ा, खाना खाकर कमरे पर लौटता था। उसका कमरा मेरे बगल में था। अगर मैं जाग रहा होता तो वह दुआ सलाम करता, वरना सो जाता। नंदू कपड़े धोने का काम शाम के तीन चार बजे करता। तब नल खाली रहता। नहान उसी समय फेरी लगाकर लौटती थी। टकराव का कोई अवसर न होता फिर भी वह नंदू से उलझती। कभी अलगनी पर लटके गीले कपड़े बदन से सट जाने की शिकायत करती, कभी रास्ते पर पानी छलकाने के लिये कोसती। लगे हाथ नंदू को दो चार गालियां सुना देती। नंदू यूं तो गबरू था पर वह नहान की गालियां चुपचाप सुन लेता। कभी सिर उठाकर दीनहीन याचक वाली मुद्रा में देख लेता। इस पर नहान और बमकती फिर पैर पटकती अपने कमरे में चली जाती। उसके बाद नंदू जैसे ही नल से हिलता, नहान बाथरूम में घुस जाती मानो वह नंदू की छाया से अपवित्र हो गयी हो।

अजीब यह कि नंदू कोई सोलह साल से नहान की गालियां बर्दाश्त कर रहा था। नंदू की क्रेन मेरे ऑफिस के पास ही खड़ी रहती थी। उसके मालिक का ऑफिस भी वहीं था। इसलिये मैं धीरे धीरे जान गया था कि नंदू सहनशील नहीं है। ट्रक, क्रेन जैसे सड़कछाप धंधे में दयनीय बने रहने से काम नहीं चलता। फिर वह इतने सालों से नहान को क्यों झेल रहा है? वह चाहता तो किसी और मकान में कमरा ले लेता।

तांत्रिक के आगमन से स्थिति विस्फोटक हो उठी थी। मेरे तीनों पड़ोसियां ने मिल कर नहान को पीट दिया। रोती कलपती नहान सूरज के ढाबे पर पहुंची। उस दिन मनहूस सूरज ताव खा गया। वह हाथों में लंबा करछुल लिये रिक्शे पर नहान के साथ आया। सूरज और पड़ोसियों में घमासान हो गया। दो पड़ोसियों के सर फूटे। एक का हाथ टूटा। इस घटना के बाद सूरज तो भाग गया पर नहान अपने कमरे में ही थी। आखिर पुलिस आयी और नहान को गिरफ्तार करके ले गयी। नहान पर हिंसा का नहीं, हां एक पड़ोसन को झापड़ मारने का इलज़ाम था।

मैं रात कमरे पर पहुंचा तो उस घटना के बारे में मुझे पता चला। तभी मैं ने देखा कि नहान रिक्शे से उतर रही है। नंदू उसे उतरने में सहारा दे रहा था। नहान अपने कमरे में चली गयी। नंदू अपने कमरे में। घंटे भर बाद मैं ने देखा कि नंदू के कमरे की बत्ती अभी भी जल रही है तो मैं ने उसका दरवाजा खटखटाया। इस बीच मुझे कुछ और जानकारी मिल गयी थी। नंदू नशे में था फिर भी मैं ने पूछ लिया, ''तुमने नहान की जमानत क्यों दी?''

नंदू रहस्यमय तरीके से हंस पड़ा, ''सूरज के बाद मेरे अलावा उसका है ही कौन? बाबू तुम्हें हैरत हो रही है न? रोज गरियाने और दुतकारने वाली औरत की जमानत मैं ने क्यों दी? मैं तो उस पर जान भी दे दूं। बड़ी ज़िद्दी औरत है। बच्चा न होगा, फिर भी रहेगी सूरज के ही साथ। उसकी ज़िद तो मेरी भी ज़िद।... मैं सूरज और माला के साथ नशा पानी किया करता। एक रात नशे का फायदा उठा कर मैं माला के साथ गलत काम कर बैठा। गरम भी रहा। मैं ने सोचा अब इसकी जिनगी बन जायेगी। प्र उस जिद्दी ने गरभघात कर लिया। बस यही ज़िद – ''ये कोख तो सांवरे की है।'' मैं ने हैरत भरे स्वर में उससे पूछा, '' नहान उस मनहूस सूरज को इतना प्यार क्यों करती है?''

नंदू लडखड़ाती आवाज़ और बिखरे शब्दों में लगा, ''प्यार नहीं, एहसान। बाबू, वह एहसान चुका रही है। माला का बाप नहान को एक बूढ़े के साथ बांध रहा था। तब यही सूरज रोती कलपती माला को छिपाकर यहां ले आया था। इसी एहसान को पगली प्यार समझती है और साथ रहने को शादी।

''क्या? इनकी शादी नहीं हुई?''

नंदू मुझ पर ही तंज करने लगा, ''तुम भी बौड़म हो बाबू! दोनों जात एक होती तभी तो शादी होती इसलिये मैं उससे कहता हूँ – सूरज को छोड़। मेरे साथ सगाई कर ले। हमारी तो जात भी एक है।''

नंदू मुझे और रहस्यमय लगने लगा था। नहान – नंदू और सूरज के संबंधों में रहस्य की इतनी परते होंगी, यह मैं ने सोचा नहीं था। इतनी मामूली ज़िन्दगी और इतनी गहराई। अब तक मैं इन लोगों से खुद को श्रेष्ठ समझता था। अब मुझे खुद पर शर्म आ रही थी।

मैं बामुश्किल बोल सका, ''बहत ऊंची औरत है, मगर इतना नहाती क्यों है?''

मेरे सवाल पर नंदू ज़ोर से हंसा, ''मेरे छुने से वह जूठी हो गयी सो नहाती रहती है। मैं उसका रास्ता भी लांघ दूं तो नहाने पर ही उसे चैन आयेगा।

''लेकिन थोड़ी देर पहले तो तुमने उसको सहारा देकर रिक्शे से नीचे उतारा था। क्या वह अभी नहायेगी?'' नंदू हंसने लगा। उसे हंसता छोड़ मैं कमरे से बाहर निकला तो देखा कि नहान बाथरूम से नहाकर निकल रही थी।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

अपरिग्रह

नये वर्ष के आरंभिक दिवस हैं। एक चित्र प्राय: देखने को मिलता है। कोई परिचित डायरी दे जाता है। प्राप्त करनेवाले को याद आता है कि बीते वर्षों की कुछ डायरियाँ ज्यों की त्यों कोरी की कोरी पड़ी हैं। लपेटे हुए कुछ कैलेंडर भी हैं। डायरी, कैलेंडर जो कभी प्रयोग ही नहीं हुए। ऐसा भी नहीं है कि यह चित्र किसी एक घर का ही है। कम या अधिक आकार में हर घर में यह चित्र मौज़ूद है।

मनुष्य से अपेक्षित है अपरिग्रह। मनुष्य ने 'बाई डिफॉल्ट' स्वीकार कर लिया अनावश्यक संचय। जो अपने लिये भार बन जाये वह कैसा संचय?

विपरीत ध्रुव की दो घटनाएँ स्मरण हो आईं। हाउसिंग सोसायटी के सामने की सड़क पर रात दो बजे के लगभग दूध की थैलियाँ ले जा रहा ट्रक पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भय से ड्राइवर भाग खड़ा हुआ। आवाज़ इतनी प्रचंड हुई कि आसपास के 500 मीटर के दायरे में रहनेवाले लोग जाग गये। आवाज़ से उपजे भय के वश कुत्ते भौंकने लगे। देखते-देखते इतनी रात गये भी भीड़ लग गयी। सड़क दूध की फटी थैलियों से पट गयी थी। दूध बह रहा था। कुछ समय पूर्व भौंकने वाले चौपाये अब दूध का आस्वाद लेने में व्यस्त थे और दोपाये साबुत बची दूध की थैलियाँ हासिल करने की होड़ में लगे थे। जिन घरों में रोज़ाना आधा लीटर दूध ख़रीदा जाता है, वे भी चार, छह, आठ जितना लीटर हाथ लग जाये, बटोर लेना चाहते थे। जानते थे कि दूध नाशवान है, टिकेगा नहीं पर भीतर टिक कर बैठा लोभ, अनावश्यक संचय से मुक्त होने दे, तब तो हाथ रुके!

खिन्न मन दूसरे ध्रुव पर चला जाता है। सर्दी के दिन हैं। देर रात फुटपाथ पर घूम-घूमकर ज़रूरतमंदों को यथाशक्ति कंबल बाँटने का काम अपनी संस्था के माध्यम से हम करते रहे हैं। उस वर्ष भी मित्र की गाड़ी में कंबल भरकर निकले थे। लगभग आधी रात का समय था। एक अस्पताल की सामने की गली में दाहिने ओर के फुटपाथ पर एक माई बैठी दिखी। एक स्वयंसेवक से उन्हें एक कंबल देकर आने के लिए कहा। आश्चर्य! माई ने कंबल लेने से इंकार कर दिया। आश्चर्य के निराकरण की इच्छा ने मुझे सड़क का डिवाइडर पार करके उनके सामने खड़ा कर दिया था। ध्यान से देखा। लगभग सत्तर वर्ष की अवस्था। संभवत: किसी मध्यम परिवार से संबंधित जिन्होंने जाने किस विवशता में फुटपाथ की शरण ले रखी है।... 'माई! आपने कंबल नहीं लिया?' वे स्मित हँसी। अपने सामान की ओर इशारा करते हुए साफ भाषा में स्नेह से बोलीं, 'बेटा! मेरे पास दो कंबल हैं। मेरा जीवन इनसे कट जायेगा। ज़्यादा किसलिये रखूँ? इसी सामान का बोझ मुझसे नहीं उठता, एक कंबल का बोझ और क्यों बढ़ाऊँ? किसी ज़रूरतमंद को दे देना। उसके काम आयेगा!'

ग्रंथों के माध्यम से जिसे समझने-बूझने की चेष्टा करता रहा, वही अपरिग्रह साक्षात सामने खड़ा था। नतमस्तक हो गया मै!

कबीर ने लिखा है, कबीर औंधि खोपड़ी, कबहुँ धापै नाहि/ तीन लोक की सम्पदा, का आबै घर माहि।

पेट भरा होने पर भी धापा हुआ अथवा तृप्त अनुभव न करो तो यकीन मानना कि अभी सच्ची यात्रा का पहला कदम भी नहीं बढ़ाया है। यात्रा में कंबल ठुकराना है या दूध की थैलियाँ बटोरते रहना है, पड़ाव स्वयं तय करो।

बोध कथा

उम्र बढ़ाने वाला पेड़

एक समय की बात है जब बादशाह अकबर का परचम पूरे विश्व में फैलने लगा था। उसी दौरान तुर्किस्तान के बादशाह को अकबर की बुद्धिमत्ता की परीक्षा लेने की सूझी। तुर्किस्तान के बादशाह ने अपने दूत को संदेश पत्र देकर कुछ सिपाहियों के साथ दिल्ली रवाना किया। बादशाह ने पत्र में लिखा था 'मुझे सुनने में आया है कि भारत में ऐसा पेड़ है, जिसके पत्ते को खाकर इंसान की आयु बढ़ाने में मदद मिल सकती है। अगर यह बात सच है, तो मेरे लिए उस पेड़ के कुछ पत्ते जरूर भेंजे।'

जब अकबर ने उस पत्र को पढ़ा, तो वह सोच में पड़ गए। इस चिंता से उबरने के लिए अकबर ने बीरबल का सहारा लिया। बीरबल की सलाह पर बादशाह अकबर ने तुर्किस्तान से आए सिपाहियों और दूत को कैद करने का आदेश दिया। सिपाही और दूत के कैदखाने में कई दिन बीत जाने के बाद अकबर और बीरबल एक दिन उनसे मिलने गए। अकबर और बीरबल को आते देख कर वो सोचने लगे कि उन्हें रिहाई मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

बादशाह अकबर जब उनके पास पहुंचे, तो उन्होंने दूत से कहा 'जब तक इस किले की एक-दो ईंट गिर नहीं जाती, तब तक आप लोगों को आजाद नहीं करेंगे। ऐसा होने तक आप सभी के लिए यहां खाने-पीने का पूरा इंतजाम किया जाएगा।' इतना कहकर बादशाह अकबर और बीरबल वहां से चले गए। उनके जाने के बाद दूत और सिपाही कैद से निकलने के लिए उपाय सोचने लगे। जब कोई रास्ता नजर नहीं आया, तो भगवान से प्रार्थना करने लगे।

जल्द ही उनकी प्रार्थना रंग लाई और कुछ दिनों बाद अचानक तेज भूकंप आया और भूकंप के कारण किले का एक भाग टूटकर गिर गया। यह घटना के बाद दूत ने अकबर के पास किले की दीवार गिरने की खबर भिजवाई। यह खबर सुनते ही बादशाह अकबर को अपना वादा याद आया और उन्होंने तुर्किस्तान के दूत व सिपाहियों को दरबार में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। उनके दरबार में पहुंचते ही बादशाह अकबर बोले 'अब तो आप सबको अपने बादशाह के द्वारा भेजे गए पत्र का उत्तर मिल गया होगा। अगर अब भी आपको समझ नहीं आया है, तो मैं समझा देता हूं। तुम सिर्फ 100 लोग हो और तुम्हारी आह सुनकर किले का एक हिस्सा गिर गया, तो सोचो जिस देश में हजारों लोगों पर अत्याचार होते हैं, उस देश के बादशाह की आयु कैसे बढ़ेगी। लोगों की आह से उसका पतन तो निश्चित है। हमारे भारत देश में किसी गरीब पर अत्याचार नहीं होता। यही होता है आयुवर्धक वृक्ष।'

उसके कुछ दिन बाद बादशाह ने उन सभी को उनके देश भेज दिया है और रास्ते में होने वाले खर्चे के लिऐ कुछ पैसे भी दिए। दूत ने तुर्किस्तान पहुंचकर भारत में घटित सारी बात विस्तार से बादशाह को बताए। अकबर-बीरबल की बुद्धिमत्ता देखकर तुर्किस्तान के बादशाह ने दरबार में उनकी बहुत प्रशंसा की।

वीर गाथा

एयर कमोडोर जसजीत सिंह: जब बमवर्षा करने जाते तो पाकिस्तानी फौज में भगदड़ मच जाती

एयर कमोडोर जसजीत सिंह का जन्म 8 जुलाई, 1934 को हुआ था। वे अति विशिष्ट सेवा मेडल, वीर चक्र, वायुसेना मेडल से सम्मानित थे। यही नहीं, उन्हें पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया था। वे वायुसेना के सर्वाधिक सम्मानित अधिकारियों में से एक थे। जसजीत सिंह ने लड़ाकू पायलट के तौर पर बहादुरी का शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने लगभग पांच दशक तक वायुसेना में सेवाएं दी थीं। जसजीत सिंह साल 1956 में वायुसेना में भर्ती हुए थे। उन्होंने वैम्पायर, मिस्टर और मिग-21 जैसे लड़ाकू विमान उड़ाए थे।

जसजीत सिंह की महारत ने साल 1971 के युद्ध में इतिहास रच दिया था। पहले, उन्हें वायुसेना मुख्यालय में बतौर स्टाफ ऑफिसर तैनात किया गया था, लेकिन वे ऑपरेशन में भाग लेना चाहते थे। जसजीत सिंह ने पाकिस्तान के 'मजबूत और अत्यधिक सुरक्षित इलाकों' में उड़ानें भरी थीं। दुश्मन ने कई बार उनके विमान को निशाना बनाना चाहा, लेकिन वे हर बार उसे चकमा देने में कामयाब रहे थे।

जसजीत सिंह ने एक के बाद एक उड़ानें भरीं और हमले जारी रखे। उन्होंने पाकिस्तान के कई टैंकों, तोप ठिकानों और बंकरों को तबाह कर दिया था। इससे उसकी सैन्य क्षमता को भारी झटका लगा था। जब जसजीत सिंह अपना विमान लेकर बमवर्षा करने जाते तो पाकिस्तानी फौज में भगदड़ मच जाती थी। जसजीत सिंह ने सभी चुनौतियों का डटकर सामना किया और अपने मिशन सफलतापूर्वक पूरे किए थे।

इससे युद्ध के मैदान में भारत का पक्ष मजबूत होता गया और 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान की निर्णायक हार के साथ बांग्लादेश को आज़ाद करवा दिया गया। एयर कमोडोर जसजीत सिंह को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। जसजीत सिंह ने थिंक टैंक सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज की स्थापना की थी। उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उन्हें साल 2006 में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नवदीक्षित नागा साधु शनिवार को प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 के दौरान संगम में अनुष्ठान स्नान करने की तैयारी करते हुए।

महाकुम्भ के जरिए यूपी की जीडीपी में एक फीसदी से ज्यादा वृद्धि का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर। आर्थिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि 45 दिन तक चलने वाले महाकुंभ के दौरान होने वाले कारोबार से न सिर्फ रोजगार और मुनाफे में बढ़ोत्तरी होगी बल्कि उत्तर प्रदेश की जीडीपी में एक प्रतिशत या उससे भी ज्यादा की वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि दुनिया भर से आ रहे श्रद्धालुओं द्वारा किए जा रहे खर्च से मांग बढ़ेगी, उत्पादन बढ़ेगा, रोजगार में वृद्धि होगी और छोटे से लेकर बड़े व्यापारियों की जेब में पैसा आएगा। यही नहीं, सरकार को भी इस आयोजन से बड़े पैमाने पर आय होगी, जिसका उपयोग प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में होगा और जीएसटी कलेक्शन में भी भारी उछाल देखने को मिलेगा।

देश के मशहूर सीए और अर्थशास्त्री पंकज गांधी जायसवाल के अनुसार, इस बार के महाकुम्भ के आंकड़े जो सरकार बता रही है उसके होने भर से ही नॉमिनल और रियल दोनों जीडीपी के आंकड़ों में एक प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। बतौर उत्तर प्रदेश सरकार देश विदेश से करीब 45 करोड़ लोग इस महाकुम्भ में आएंगे। वो काशी, अयोध्या, चित्रकूट समेत देश के कई हिस्सों में जाएंगे। यदि उनके घर से कुम्भ में आने से लेकर घर वापस आने तक का प्रति व्यक्ति औसत खर्च जोड़ लेंगे तो औसत करीब 10 हजार रुपए प्रति व्यक्ति हो सकता है। ऐसे में यदि 45 करोड़ में इस दस हजार प्रति व्यक्ति खर्च का गुणा करेंगे तो यह करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपए होता है। इसे हम दस फीसदी अनुमान रिस्क के नाम पर थोड़ा कम चार लाख करोड़ ही मान लेते हैं तो भी यह अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए कमाल का आंकड़ा है। कुम्भ का अर्थशास्त्र तिमाही के आंकड़ों को तो मजबूत करेगा ही, साथ ही देश के वार्षिक राष्ट्रीय जीडीपी को भी मजबूत करेगा और अर्थव्यवस्था को भी।

जायसवाल के अनुसार, सरकार का इस महाकुम्भ में हुए निवेश से कई गुना रिटर्न आ जाएगा। डबल इंजन की सरकार महाकुम्भ के आयोजन पर मिलकर करीब सोलह हजार करोड़ रुपए का खर्च कर रही है। अगर इसी को आधार मान लें तो सरकार की ही आय कई गुना हो जाएगी। मसलन अगर चार लाख करोड़ पर औसत जीएसटी का संग्रह निकालें तो यह करीब 50 हजार करोड़ के आसपास होगा। इस खर्च पर जो लोगों को आय होगी उस पर आयकर तथा अन्य सुविधाओं के अप्रत्यक्ष कर जोड़ दें तो यह आंकड़ा एक लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा, मतलब कई गुना आय तो सरकार को ही होगी। ये सारे विश्लेषण और आंकड़े बताते हैं की किताबी आंकड़े भले ही कुछ कहें, महाकुम्भ के बाद अगली तिमाही में अर्थ अमृत का प्रसाद मिलने वाला है। तिमाही आकड़े के साथ शेयर बाजार भी नृत्य करेगा।

प्रयागराज के प्रख्यात सीए अनिल गुप्ता के अनुसार महाकुम्भ के भावनात्मक पहलू के साथ ही आर्थिक पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण है। सरकार ने इस बार महाकुम्भ को लेकर जो निवेश किया है, उससे बड़े पैमाने पर रेवेन्यू भी जेनरेट होगा। रेलवे, ट्रांसपोर्ट, इलेक्ट्रिसिटी समेत कुम्भ मेले में रेंट पर जो भूमि आवंटित की गई है, इन सभी से व्यापक रेवेन्यू जेनरेट होगा। इन सभी को मिलाकर देखें तो जीएसटी और समस्त इंफ्रास्ट्रक्चर से सरकार को करीब एक लाख करोड़ रुपए आय की संभावना है। इस आय को सरकार जब इंफ्रास्ट्रक्चर में डालेगी तो निश्चित रूप से इसका असर इकॉनमी पर भी देखने को मिलेगा। जानकारी के अनुसार पूरी दुनिया से लोग आ रहे हैं, इससे टूरिज्म को बहुत बल मिलेगा। अगर सिर्फ प्रयागराज की ही बात करें तो पहले यहां 5 स्टार, 7 स्टार होटल नहीं थे अब ये सारे यहां स्थापित हो रहे हैं। निश्चित रूप से इन सभी फैक्टर्स से जीडीपी ग्रोथ में एक प्रतिशत की ग्रोथ आराम से हो जाएगी। जहां तक जीएसटी की बात है तो यह प्रयागराज समेत पूरे प्रदेश को मिलाकर देखें तो दिसंबर, जनवरी और फरवरी में इसके तीन गुना तक बढ़ने की संभावना है।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड डीन वाणिज्य फैकल्टी एवं वित्त अधिकारी डॉ एके सिंघल ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने महाकुम्भ को भव्य बनाने में कोई कमी नहीं रखी है। इसका प्रयागराज समेत पूरे प्रदेश की इकॉनमी पर जबर्दस्त असर देखने को मिलेगा। देश विदेश से आ रहे करोड़ों लोग यहां आकर पैसा खर्च करेंगे। चाहे ट्रांसपोर्ट हो, लोकल वेंडर्स हो, शहर के दुकानदार हों,रिक्शा वाले हों, टैक्सी वाले हों, नाव वाले हों इनकी आमदनी बढ़ेगी। मेरे अनुमान के अनुसार लगभग 40 से 50 हजार करोड़ रुपए आएगा। यही नहीं, सरकार ने जितना खर्च किया है उसका 10 गुना तक उसको लाभ हो सकता है। सरकार को जो पैसा मिलेगा वो विकास में खर्च होगा। सबका साथ सबका विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा फायदा होगा। प्रदेश की जीडीपी में एक प्रतिशत या इससे ज्यादा की भी वृद्धि हो सकती है। इलाहाबाद समेत अयोध्या, चित्रकूट, वाराणसी, विंध्याचल सभी जगह लोग जा रहे हैं, इसका लाभ भी प्रदेश को मिलेगा। उत्तर प्रदेश को जीएसटी से होने वाले लाभ की बात करें तो इसमें भी बड़ा बूम दिखेगा। सरकार को जो होगी उसका उपयोग प्रदेश के विकास में होगा। लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी, मांग बढ़ेगी, उत्पादन ज्यादा होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया महाकुंभ में अमृत स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महासमागम महाकुंभ में शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आस्था की डुबकी लगाई। रक्षा मंत्री ने कहा, मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि आज तीर्थराज प्रयाग के संगम में मैंने स्नान किया। मैं स्वयं को बहुत ही कृतज्ञ महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा यह भारतीयता और आध्यात्मिकता एवं सांस्कृतिक पर्व है। इसे किसी पंथ, समुदाय या धर्म के साथ जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। भारत ही नहीं दुनिया के कोने कोने से लोग यहां आकर आस्था की डुबकी लगाते हैं। किसी को यदि भारत और भारतीयता को समझना है तो आकर इस महाकुंभ को देखे।

स्नान करने के बाद उन्होंने मां गंगा का वैदिक रीति से मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा की पूजा अर्चना किया। जब रक्षामंत्री संगम में आस्था की डुबकी ला रहे थे दूर खड़े श्रद्धालु जय श्री राम, हर हर महादेव का नारा लगा रहे थे। श्री सिंह ने दूर खड़े लोगों को दोनो हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। स्नान करने के साथ उन्होंने संगम के जल का आचमन भी किया। श्री सिंह ने अक्षय वट, पातालपुरी, सरस्वती कूप का दर्शन करने के बाद लेटे हनुमान जी की पूजा अर्चना किया। उसके बाद वह अखाड़ों के संतो से मुलाकात किया। सभी कार्यक्रमों के बाद वह एक विवाह समारोह में शिरकत करने जाएंगे। रक्षा मंत्री के आने से पहले आर्मी ने पूरे किला घाट को अपने कब्जे में ले लिया। घाट के किनारे से लेकर पानी के अंदर तक आर्मी के जवानों ने जांच की। अंडर वाटर ड्रोन भी एक्टिव कर दिया गया। पानी के अंदर की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी।

प्रयागराज में 45 दिवसीय महाकुंभ मेला 2025 के छठे दिन त्रिवेणी संगम पर श्रद्धालु अनुष्ठान करते हुए।

महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज जाएंगे शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगाने के लिये प्रयागराज जा सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार श्री शाह 28 या 29 जनवरी को प्रयागराज जा सकते हैं। सूत्र ने कहा, श्री शाह का मानना है कि महाकुंभ हम सभी के जीवन में बड़े सौभाग्य से आया है। यह ऐसा महाकुंभ है, जो 144 साल बाद आया है। इसलिये वह इसमें शामिल होना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक श्री शाह के प्रयागराज दौरे के लेकर तैयारियां चल रही है। उम्मीद है कि वह (श्री शाह) 28 या 29 जनवरी को प्रयागराज जायेंगे। गौरतलब है कि आस्था, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के प्रतीक महाकुंभ में इस वक्त श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा हुआ है। तेरह जनवरी से 26 फरवरी तक चलने वाले प्रयागराज महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

अडाणी समूह के साथ मिलकर इस्कॉन लाखों श्रद्धालुओं को परोस रहा भोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ मेले में पहली बार देश के दिग्गज कॉरपोरेट घराने अडाणी समूह का साथ पाकर इस्कॉन उत्साहित है और अब वह पहले की तुलना में कहीं अधिक क्षमता से श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद उपलब्ध करा रहा है। यहां सेक्टर 19 में हर्षवर्धन मार्ग पर स्थित इस्कॉन के शिविर में धार्मिक संगठन के निदेशक (सीएसआर) मधुकांत दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एक रसोई में एक सत्र में 30 से 35 हजार लोगों का खाना तैयार होता है। एक दिन में तीन सत्रों में कुल मिलाकर एक लाख से अधिक लोगों के लिए खाना तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस्कॉन का भोजन प्रसाद पूरी तरह से संतुलित है जिसमें दाल, छोले या राजमा, सब्जी और रोटी-चावल के साथ ही मीठे में हलवा या बूंदी के लड्डु शामिल हैं। ये भोजन मिट्टी के चूल्हे में लकड़ी और गोबर के कंडों की आग पर तैयार किए जाते हैं जिससे इनका स्वाद लाजवाब है।

दास ने बताया कि पूरे प्रयागराज में 40 केंद्रों पर भोजन प्रसाद वितरण किया जा रहा है जिनमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और कई होल्डिंग एरिया शामिल हैं जहां मुख्य स्नान पर्वों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को रोका जाता है। उन्होंने बताया कि भोजन प्रसाद के वितरण के लिए 100 गाड़ियां लगाई गई हैं जिन्हें अडाणी समूह की तरफ से उपलब्ध कराया गया है। अडाणी समूह और इस्कॉन की ओर से तीन से साढ़े तीन हजार स्वयंसेवक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पूरी परियोजना पर्यावरण-अनुकूल है और 45 दिनों तक चलने वाले इस मेले में कहीं भी प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जा रहा है। इस्कॉन के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि अडाणी समूह का साथ मिलने से संगठन की भोजन प्रसाद वितरण की क्षमता आठ से 10 गुना बढ़ गई है। अडाणी समूह के एक अधिकारी ने कहा कि महाकुम्भ मेले में सेवा देने को लेकर कंपनी के लोगों में भारी उत्साह है। सेवा देने के लिए कंपनी ने पोर्टल खोला और एक ही दिन में 4,000 लोगों ने आवेदन कर दिया। पोर्टल बंद करने पर कर्मचारियों ने हंगामा भी कर दिया। इसकी वजह यह है कि उनमें महाकुम्भ का हिस्सा बनने की तीव्र इच्छा है। उन्होंने बताया कि अडाणी समूह की तरफ से कंपनी उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी भी कुंभ मेले में सेवा देने के लिए आ रहे हैं। कंपनी से 100-150 के बैच में कर्मचारी और अधिकारी सेवा देने आ रहे हैं। दास ने बताया कि मेला और आसपास के क्षेत्रों में सफाई में लगे 15,000 कर्मचारियों को भी भोजन प्रसाद इस्कॉन द्वारा वितरित किया जा रहा है। इस्कॉन ने पूरे प्रयागराज में तीन रसोई घर स्थापित किए हैं जो रेलवे जंक्शन के पास खुशरोबाग, सेक्टर छह में नेत्रकुंभ और सेक्टर 19 में इस्कॉन मंदिर परिसर में स्थित हैं और यहीं से भोजन प्रसाद तैयार कर वितरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में इस्कॉन के 750 केंद्र हैं जहां कई गौशालाएं है। इन्हीं गौशालाओं से गोबर के कंडे यहां लाए गए हैं। हर कुंभ में इस्कॉन की भागीदारी को देखते हुए मेला से छह महीने पहले से गोबर के कंडे बनाने शुरू कर दिए जाते हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यहां चिकेपट के चामुंडा माता मंदिर, राजपूत समाज में भारतीय राजपुताना सेवा संगठन का कैलेंडर वितरण कार्यक्रम उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

प्रवासियों के योगदान से आज राजस्थान बड़े अवसरों की भूमि बन रहा है : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'राजस्थान से दूर प्रवासित राजस्थानी आज भी पूरे देश में अपनी मेहनत, लगन व कर्मठता की वजह से खुशबू बिखेर रहे हैं। कई दशकों पहले राजस्थान से विषम परिस्थितियों में बाहर आकर मारवाड़ियों ने पूरे विश्वास, मेहनत व व्यवहार से जो विशेष स्थान बनाया है वह सराहनीय है।' यह विचार राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा में स्थानीय सर्व राजस्थान समाज की ओर से पैलेस ग्राउंड स्थित एक सभागार में आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन व अभिनंदन समारोह में व्यक्त किए। अपने सम्मान समारोह के मौके पर उपस्थित राजस्थानी समुदाय के लोगों को देखकर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के लोग देश के जिस भाग में भी गए, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से राजस्थान की कामयाबी व बुलंदी का झंडा गाड़ा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से दूर आकर भी मुझे राजस्थान में होने का आभास हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि आपको व आपके काम को देखकर मेरे अंदर भी ऊर्जा आ जाती है। 'मीठी बोली और मनुहार' राजस्थान की विशेष पहचान है। मेहमान नवाजी में राजस्थान सबसे आगे है। मुख्यमंत्री ने राजस्थान में हो रहे विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि आज पूरे राजस्थान में पानी संरक्षण का कार्य व्यापक रूप से हो रहा है जिसमें पूरे देश के प्रवासियों का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की मूलभूत आवश्यकता है पानी, बिजली और सड़क।इन तीनों आवश्यकताओं पर राजस्थान सरकार ने पूरा ध्यान देते हुए जल संचय जैसी योजनाओं को शुरु किया है। 'राजस्थान में यदि पानी होगा तो राजस्थान की माटी भी सोना उगलेगी' इस सपने को साकार करने के लिए राजस्थान सरकार कटिबद्ध है। भजनलाल शर्मा ने बताया कि उनके 13 माह के कार्यकाल में राजस्थान सरकार ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में पानी पहुंचाने के साथ बिजली पहुंचाने में भी तेजी दिखाई है।

मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी व्यापारियों व उद्योगपतियों को राजस्थान में निवेश का न्यौता देते हुए कहा कि आज राजस्थान पर्यटन, खनिज, राजमार्ग, सड़क, सम्पर्क, सौर ऊर्जा, शिक्षा, चिकित्सा व औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बन रहा है। यदि आप सभी अपने व्यापार व उद्योग का विस्तार करते हुए अपनी एक यूनिट राजस्थान में लगाते हैं तो राजस्थान को जल्दी ही विकसित राजस्थान बनाया जा सकता है।भजनलाल शर्मा ने बताया कि राजस्थान सरकार प्रवासियों के परस्पर मेलमिलाप के लिए विभिन्न राज्यों में राजस्थान भवन बनाने की योजना बना रही है जिसके लिए विभिन्न राज्यों की सरकार से बातचीत चल रही है। उन्होंने उपस्थितजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप अपना व्यापार बिना किसी चिंता के करें क्योंकि राजस्थान में आपकी सम्पत्ति, परिवार की सुरक्षा-देखभाल के लिए सरकार कार्यरत है। उन्होंने कहा, आप प्रवासियों से निरंतर सम्पर्क करने के लिए राजस्थान सरकार ने एक विशेष विभाग भी बनाया है तथा जिलावार तरीके से एक एक प्रशासनिक अधिकारी की नियुक्ति की जा रही है ताकि प्रवासियों से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र निपटारा किया जा सके और सरकार व प्रवासियों का तालमेल बना रहे।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज राजस्थान बड़े अवसरों की भूमि बन रहा है । उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हर वर्ष 10 दिसम्बर को प्रवासी सम्मान कार्यक्रम करने की नई परिपाटी शुरु की है जिसके लिए आप सभी को अग्रिम न्यौता है। उन्होंने सभी से अपने व्यापार व साख को विस्तार देने के लिए राजस्थान आने का आह्वान किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ साथ राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, बेंगलूरु से राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया, मारवाड़ जंक्शन के विधायक केसाराम चौधरी, पचपदरा के विधायक अरुण चौधरी, जयपुर देहात के भाजपा अध्यक्ष राजेश गुर्जर, मारवाड़ जंक्शन के प्रधान मंगलाराम देवासी, युवा मोर्चा के शंकर गोरा, बेंगलूरु के मूलचन्द नाहर, गौतमचन्द मुथा आदि मंचासीन थे।इस मौके पर पचपदरा के विधायक अरुण चौधरी ने कर्नाटक में राजस्थान भवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मारवाड़ जंक्शन के विधायक केसाराम चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी। सांसद लहरसिंह सिरोया ने कहा कि राजस्थान में चहुंमुखी विकास की लहर चल रही है।यह कामना है कि कर्नाटक की तरह राजस्थान भी विकास की राह पर अग्रसर हो जिसके लिए हमारे कर्नाटक के व्यापारियों व उद्योगपतियों को राजस्थान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम के मध्य में विभिन्न अतिथियों व मूलचन्द नाहर, गौतमचन्द मुथा, ललित आच्छा, विकास नाहर आदि ने फूल माला व साफा पहनाकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सम्मान किया तथा स्मृति स्वरुप चन्दन से बनी रामलला की मूर्ति भेंट की। गौतमचन्द मूथा ने धन्यवाद दिया तथा ललित आच्छा ने संचालन किया।इस मौके पर बड़ी संख्या में शहर के राजस्थानी समुदाय के लोग उपस्थित थे।

चामुंडा माता मंदिर, राजपूत समाज का हुआ कैलेंडर वितरण कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां चिकेपट के चामुंडा माता मंदिर, राजपूत समाज में भारतीय राजपुताना सेवा संगठन का कैलेंडर वितरण कार्यक्रम उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के कई प्रमुख सदस्य, पूर्व अध्यक्ष गयाड़ सिंह, प्रदीप सिंह, वगत सिंह, एवं संजय सहित संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार और राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठन के उद्देश्यों, आगामी योजनाओं और समाज के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की गई। कैलेंडर में संगठन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सांस्कृतिक संवर्धन जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई है।

विकास के लिए अहम हैं मजबूत मौसम विज्ञान सेवाएं, भारत विकासशील देशों के लिए है आदर्श : साउलो

नई दिल्ली/भाषा। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की प्रमुख सेलेस्टे साउलो ने कहा है कि जलवायु सेवाओं की गुणवत्ता के मामले में भारत बहुत अच्छी स्थिति में है और वह विकास एजेंडे में मजबूत मौसम विज्ञान सेवाओं की अहम भूमिका को समझता है। साउलो ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में बताया कि मौसम विज्ञान और जलवायु सेवाएं अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिनमें साधन, परिवहन, पर्यटन, ऊर्जा और कृषि आदि शामिल हैं।

हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि भारत के विपरीत, कई विकासशील देशों ने अभी तक इन सेवाओं का अपने विभिन्न क्षेत्रों के साथ पूरी तरह से समेकन नहीं किया है। अक्षय ऊर्जा में मौसम सेवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए साउलो ने कहा, यदि आप अक्षय ऊर्जा - पवन, सौर और जलविद्युत - के बारे में सोचते हैं, तो वे सभी मौसम पर निर्भर करती हैं। अक्षय ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत मौसम सेवा की जरूरत है। भारत पूरे विकास एजेंडे में मौसम सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका को समझता है लेकिन कई विकासशील देश अभी तक वहां नहीं पहुंचे हैं।यहां भारत मौसम विज्ञान विभाग की स्थापना के 150 वर्षगांठ साल समारोह में हिस्सा ले रहीं साउलो ने कहा, मौसम विज्ञान और जलवायु सेवाओं की गुणवत्ता के मामले में भारत बहुत अच्छी स्थिति में है, जिसका श्रेय भारतीय मौसम विज्ञान विभाग को जाता है। उन्होंने कहा कि आईएमडी का 150 वर्ष पूरा होना एक अद्वितीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा, भारत जैसे विकासशील देश से मेरी अपेक्षा है कि वह मौसम सेवाओं की भूमिका को सुदृढ़ बनाए, न केवल टीवी पर मौसम पूर्वानुमान के प्रदाता के रूप में, बल्कि जलवायु अनुकूलन, उत्पादकता, ऊर्जा परिवर्तन और लोगों के जीवन को सुरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी के प्रदाता के रूप में भी। सटीक मौसम पूर्वानुमान के व्यापक आर्थिक निहितार्थों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, अच्छे मौसम पूर्वानुमान का मूल्य निवेशकों, व्यवसायों, उत्पादकता, साधन, परिवहन, पर्यटन (और) हर चीज के लिए बहुत बड़ा है। क्या आप किसी ऐसी गतिविधि के बारे में सोच सकते हैं जो मौसम से प्रभावित न हो?'' उन्होंने विकासशील देशों के संदर्भ में चेतावनी दी, यदि आप निर्णय लेने की प्रक्रिया में मौसम संबंधी जानकारी का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप अपने व्यवसाय से सर्वोत्तम लाभ प्राप्त करने का अवसर खो देते हैं।

एक व्यक्ति ने कथित तौर पर की अपनी पत्नी की हत्या, तेजाब पीकर दी अपनी जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक में नेल्लूर केमराजे गांव के एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर रबर बनाने की प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले तेजाब को पीकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रामचंद्र गौड़ा ने शुक्रवार रात अपनी पत्नी विनोदा कुमारी की हत्या कर दी। बाद में उसने तेजाब पी लिया जिसके कुछ ही देर बाद उसकी भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गौड़ा शराबी था और रात में नशे में धुत्त होकर अपने माता-पिता, पत्नी और बेटे सहित अपने परिवार के सदस्यों से अक्सर झगड़ा करता था।

उसके बेटे, प्रशांत एस आर (26) ने खुलासा किया कि गौड़ा शराब पीकर घर लौटा था और अपने माता-पिता और पत्नी के साथ गाली-गलौज कर रहा था।

गौड़ा अपने निर्माणाधीन घर की रसोई में घुस गया और अपनी पत्नी से बहस करने लगा जिसके बाद गुस्से में आकर उसने अपनी पत्नी को बंदूक से गोली मार दी। घटना के बाद गौड़ा ने तेजाब पी लिया और कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक एन यतीश के अनुसार, सुल्लिया पुलिस ने हत्या और हथियार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में शनिवार को गंगाधरेश्वरा शिक्षण संस्थान द्वारा कामाक्षीपाल्या स्थित एनवी कन्वेंशन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में विंग्स ऑफ वंडर में बाल प्रतिभाओं को पुरस्कृत करते हुए गौसेवक एवं मुख्यअतिथि महेन्द्र मुणोत।

'इन्द्रिय सुखों में सच्चा सुख नहीं है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां अशोकनगर शूलै के जैन स्थानक में विराजित शिविराचार्य श्री विनय मुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि 'जड़ और चेतन से बना संसार है' जड़ में न सुख न दुःख होता है। चेतन या आत्मा तत्व में ही सुख दुःख का अनुभव होता है। ज्यादातर जीव सुख दुःख को प्रदर्शित नहीं करते है। पेड़ पौधों को भी सुख दुःख होता है। हमारे सुख या दुःख में लोगों शामिल करते है। संसार की विचित्रता मृत्यु की सूचना मिलते ही कुछ लोग उनके घर पहुंच जाते है, संवेदना, धैर्य, हिम्मत देते हैं। उनके दुःखद प्रसंग में इन्सान आते हैं। विचित्रता देखिए सुख भरे प्रसंगों पर पत्रिका, आमन्त्रण, निमन्त्रण होने पर भी कुछ नहीं जाते हैं। अनेक कारणों में 'अंहकार' सबसे बड़ा कारण है। मुनिश्री ने कहा कि जब दुःख के प्रसंग पर बिना बुलाने पर भी चले जाते है परन्तु भौतिक सुखों, भोजनादि, विवाहादि, मकान मुहुर्त आदि में बिना बुलाए नहीं जाते हैं।

शनिवार को तुमकुरु में केयूडब्ल्यूजे के 39वें राज्य सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

बेंगलूरु सहित प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री दिसंबर तिमाही में 26 प्रतिशत घटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलूरु समेत देश के आठ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री में 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की गिरावट आई है। बिक्री में गिरावट का मुख्य कारण महाराष्ट्र एवं हरियाणा में चुनाव और संपत्ति की बढ़ी हुई कीमतें हैं। रियल एस्टेट परामर्श मंच प्रॉपटाइगर डॉट कॉम की हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

'रियल इनसाइट रेजिडेंशियल : एनुअल राउंडअप 2024' शीर्षक से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, इस विश्लेषण में शामिल आठ में से तीन शहर महाराष्ट्र और हरियाणा में हैं जहां पर बीती तिमाही में विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। हालांकि दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सालाना आधार पर बाकी सभी सात शहरों शहरों में घरों की बिक्री में गिरावट आई है। दिल्ली-एनसीआर में दिसंबर तिमाही में घरों की बिक्री 50 प्रतिशत बढ़कर 9,808 इकाई रही जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 6,528 था।

चुनावों का असर नई आपूर्ति पर भी दिखा। बीते वर्ष की चौथी तिमाही में नयी परियोजनाएं पेश करने में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसका कारण राज्यों में चुनावों के कारण परियोजनाओं की मंजूरी की गति का धीमा होना है। आठ में से पांच शहरों में पिछली तिमाही के दौरान पेश नई परियोजनाओं की संख्या घटी है।

संपत्तियों की खरीद-बिक्री या किराये पर लेन-देन की जानकारी देने वाले मंच हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉटकॉम के समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ध्रुव अग्रवाल ने कहा, अक्टूबर-दिसंबर में त्योहारों के दौरान बिक्री में तिमाही आधार पर वृद्धि हुई। इसके बाद भी अधिकांश क्षेत्रों में बिक्री और नई पेशकश में पिछले साल के मुकाबले गिरावट देखी गई।

उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, प्रमुख राज्यों के चुनावों और देशभर में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि जैसे कारणों से कंपनियों और खरीदारों, दोनों ने इंतजार करने का रुख अपनाया। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई क्षेत्र (एमएमआर) में सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 33,617 घरों की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 48,553 घरों की बिक्री हुई थी। पुणे में इस दौरान 31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,240 घरों की बिक्री हुई। वहीं बेंगलूरु में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13,236 घरों की बिक्री हुई, हैदराबाद में 36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13,179 घरों की बिक्री हुई और चेन्नई में पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,073 घरों की बिक्री हुई।

पोते के संरक्षण से जुड़ी अतुल सुभाष की मां की याचिका पर कल सुनवाई करेगा न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पत्नी के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाकर आत्महत्या करने वाले बेंगलूरु के इंजीनियर अतुल सुभाष की मां की याचिका पर उच्चतम न्यायालय सोमवार को सुनवाई करेगा। अतुल सुभाष की मां ने अपने पोते की अभिरक्षा की मांग करते हुए याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ अंजू देवी की याचिका पर सुनवाई कर सकती है, जिन्होंने अपने चार वर्षीय पोते की अभिरक्षा की मांग करते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। पिछले साल नौ दिसंबर को बेंगलूरु के मुन्नेकोलालु में सुभाष (34) अपने घर में फांसी पर लटके मिले थे। सुभाष ने कथित तौर पर लंबे सुसाइड नोट' में उन्होंने पत्नी और ससुराल वालों को यह चरम कदम उठाने के लिए मजबूर करने का दोषी ठहराया था।

पिछली सुनवाई के दौरान, सुभाष की अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया की ओर से पेश वकील ने शीर्ष अदालत को बताया था कि बच्चा हरियाणा के एक बोर्डिंग स्कूल में पढ़ रहा है। देवी का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता कुमार दुष्यंत सिंह ने बच्चे की अभिरक्षा की मांग की थी और आरोप लगाया था कि उनकी अलग रह रही बहू ने बच्चे का पता उनसे छिपा रखा है। उन्होंने तर्क दिया था कि छह वर्ष से कम आयु के बच्चे को बोर्डिंग स्कूल में नहीं भेजा जाना चाहिए तथा उन्होंने उन तस्वीरों का हवाला दिया था, जिनमें दिखाया गया था कि जब बच्चा केवल कुछ साल का था, तब याचिकाकर्ता उससे बातचीत कर रही थी।

इसके बाद न्यायालय ने 20 जनवरी को अगली सुनवाई पर बच्चे को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था और कहा था कि मामले का फैसला 'मीडिया ट्रायल' (मीडिया में हो रही बहस) के आधार पर नहीं किया जा सकता। बेंगलूरु की एक अदालत ने चार जनवरी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में सुभाष की अलग रह रही पत्नी, उसकी मां निशा सिंघानिया और भाई अनुराग सिंघानिया को जमानत दे दी थी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com